● सीधी, सिंगरौली, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 157, पृष्ठ : 08, सीधी, बुधवार, 17 जुलाई 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

पीएम संयुक्त राष्ट्र महासभा को करेंगे संबोधित 5

डेविड वॉर्नर की पेशकश खारिज 6

निवेश और औद्योगिक विकास से रोजगार को बढ़ावा मिलेगा : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास से रोजगार और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिये मध्यप्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कराई जा रही है। उन्होंने प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिये 20 जुलाई को जबलपुर में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को सफल बनाने के लिये मंगलवार को छिन्दवाड़ा जिले के अमरवाड़ा में हुई उद्योग संघों व उद्योगपतियों की बैठक में यह विचार व्यक्त किये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्थानीय उद्यमियों के साथ बाहर के उद्यमियों को जोड़कर प्रदेश के सभी अंचल में सरकार समान रूप से विकास करना चाहती है, जिसमें कृषि, रोजगार, व्यापार, पर्यटन आदि की दिशा में एक नये उपलब्धि को हासिल किया जा सके। इसमें कई सारी कठिनाईया आती है लेकिन सकारात्मक सोच से आगे बढ़कर उनका निराकरण करें। छोटे-बड़े, मझौले सभी उद्यमी सरकार के साथ कदम-कदम से मिलाकर चलेंगे तो विकास की एक नई धारा प्रवाहित होगी। अभी तक इंदौर में इंडस्ट्री सम्मिट होती थी लेकिन अब यह प्रदेश के अन्य भागों में भी होगी और वहां की औद्योगिक कठिनाईयों को दूर किया जायेगा। उन्होंने उद्योग संघों व उद्योगपतियों से कहा कि वे निवेश को प्रोत्साहित करें। इसके लिये उन्हें औद्योगिक नीति अनुसार सुविधा प्रदान की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी 5 साल में प्रदेश की जीडीपी को डबल करने के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुये निवेश को प्रोत्साहित करना है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार जो बेहतर हो सकता है उस दिशा में निवेश में अनुकूलता लाना है। औद्योगिक विकास के लिये प्रदेश में पर्याप्त लैंड बैंक है। बैठक में उन्होंने औद्योगिक निवेश में रोजगारमूलक गतिविधि और स्थानीय उत्पादों के प्र-संस्करण पर जोर दिया गया। उन्होंने उद्योगों के स्थापना में सब्सिडी का जिक्र करते हुये बॉयर- सेलर के बीच की कठिनाईयों को दूर कर उद्योग और व्यापार की दिशा में आगे बढ़ने को कहा। इन सब बातों में उन्होंने स्थानीयता को विशेष महत्व देते हुये कहा कि स्थानीय स्तर पर कच्चे-माल को उपयोगी बनाये और रोजगार पाने वालों की संख्या बढ़ायें। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने सभी जिला कलेक्टरों से उद्योग और व्यापार संघों की कठिनाईयों को समझने तथा उसे दूर करने और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये कहा ताकि लघु उद्योगों को प्रोत्साहन मिले और उनकी बेहतरी के लिये सुझाव भी हो।

उन्होंने दुग्ध उद्योग को बढ़ावा देने के लिये हो रहे प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने जिले एवं संभाग में उद्योगों की संभावनाओं की दिशा में कारगर कार्य करने को निर्देशित किया। सांसद श्री वी.डी.शर्मा ने कहा कि विकास आपके लिये और आपके द्वारा हो, इसलिये 20 जुलाई की तैयारियों को लेकर आज उद्योगपतियों की बैठक आयोजित की गई है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला, कैप्टन समेत 5 जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के डेसा में आतंकियों की फायरिंग में सेना के कैप्टन समेत 4 जवान शहीद हो गए। एक पुलिसकर्मी की भी मौत हुई है। यानी कुल 5 लोगों की जान गई है। राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस यहां सोमवार से ही सर्च ऑपरेशन चला रही थी।

सर्चिंग के दौरान आतंकी फायरिंग करते हुए भागे। घना जंगल होने की वजह से वे बच निकले। सोमवार रात 9 बजे के आसपास फिर गोलीबारी हुई। इसमें 5 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

शहीद हुए राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों में कैप्टन बृजेश थापा पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग के और सिपाही बृजेंद्र, सिपाही अजय राजस्थान के झुंझुनूं के रहने वाले थे। नायक डी राजेश की जानकारी सामने नहीं आई है।

कैप्टन बृजेश थापा (27) का जन्म 15 जनवरी को आर्मी डे के दिन हुआ था। उनकी मां नीलिमा ने बताया कि आखिरी बार रविवार (14 जुलाई) को बेटे से बात हुई थी। उन्होंने कहा कि मुझे अपने बेटे के बलिदान पर गर्व है। अगर हम अपने बेटे को सीमा पर नहीं भेजेंगे, तो देश के लिए कौन लड़ेगा।

कैप्टन बृजेश के पिता कर्नल भुवनेश थापा (सेवानिवृत्त) बोले- जब मुझे बताया गया कि वह अब नहीं रहा तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ। वह मेरी सेना की ड्रेस पहनकर घूमता था। इंजीनियरिंग करने के बाद भी वह सेना में जाना चाहता था। उसने एक बार में ही परीक्षा पास कर ली और सेना में भर्ती हो गया।

मुझे गर्व है कि मेरे बेटे ने देश और देश की सुरक्षा के लिए कुछ किया है। दुख की बात यह है कि हम उससे दोबारा नहीं मिल पाएंगे, अन्यथा मुझे खुशी है कि उसने अपने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। रात 11 बजे हमें उसकी खबर मिली। मैं भी फौजी रहा हूं, जंगल में आतंकियों को देख पाना बड़ा मुश्किल होता है। जंगल बहुत घने होते हैं।

सिपाही अजय सिंह नरूका (26) की पार्थिव देह बुधवार सुबह 9ः15 बजे सिंघाना से भैसावता कलां (झुंझुनूं) पहुंचेगा। वहां से शहीद के सम्मान में यात्रा निकाली जाएगी।

केजरीवाल के पीए बिभव के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार (16 जुलाई) को स्वाति मालीवाल केस में सीएम अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार के खिलाफ 500 पेज की चार्जशीट दाखिल कर दी है। बिभव कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तीस हजारी कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि 30 जुलाई को बिभव कुमार को पेश किया जाए।

बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत आज (16 जुलाई) को खत्म हो रही है।

मुंबई हिट-एंड-रन केस, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में आरोपी

मुंबई। मुंबई की कोर्ट हिट-एंड-रन केस के आरोपी और शिवसेना नेता राजेश शाह के बेटे मिहिर शाह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इससे पहले मिहिर को सात दिन तक पुलिस कस्टडी में रखा गया था। मिहिर को पुलिस ने घटना के तीसरे दिन, करीब 60 घंटे बाद 9 जुलाई को गिरफ्तार किया था। मिहिर 7 जुलाई को बीएमडब्ल्यू से कावेरी नखवा नाम की महिला को कुचलने के बाद से फरार था।

सूत्रों ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद मिहिर ने सबसे पहले अपने पिता को फोन किया। उन्होंने ही उसे भागने के लिए कहा था। इसके बाद मिहिर ने बीएमडब्ल्य कार और ड्राइवर को बांद्रा के कला नगर के पास छोड़ा। पकड़े न जाने के लिए उसने कार की नंबर प्लेट हटाई। कार छोड़ने के बाद वह रिक्शा लेकर गोरेगांव में अपनी गर्लफ्रेंड के घर गया।

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार 16 जुलाई को बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। याचिका में कहा गया था कि हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी जाए, जिसमें सभी 25 हजार नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया है। सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की अगुवाई वाली बेंच ने याचिका पर सुनवाई की। बेंच ने निर्देश दिया कि सभी याचिकाकर्ता को 2 सप्ताह के भीतर अपने काउटंर एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

हैंडपंप खराब,जान जोखिम में डाल स्कूली बच्चे कुएं से भर रहें पानी

एक माह से खराब है हैंडपंप, शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय नया टोला का मामला

सिंगरौली। एक तरफ शिक्षकीय व्यवस्था को दुरुस्त करने और बच्चों के पठन-पाठन को रुचिकर बनाने के लिए सरकार तरह-तरह की योजनाएं चला रही है तो वहीं जिम्मेदार शिक्षक अपनी जिम्मेदारी कितनी बखूबी से निभा रहे हैं यह तस्वीर सरकार और प्रशासन की व्यवस्थाओं की पोल खोल रही है। स्कूली बच्चें जान जोखिम में डालकर कुएं से पानी निकालने को मजबूर हैं। कब बड़ा हादसा हो जाए कोई कह नहीं सकता। तो वहीं जिम्मेदार शिक्षक गुटका पान तंबाकू खाकर मन मौजी तरीके से पढ़ा कर अपनी चाकरी पूरी कर रहे हैं।

दरअसल निवास संकुल अंतर्गत नया टोला में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय संचालित है। जहां के बच्चों का कुआं की मुंडेर पर लगे लकड़ी के पटरे पर खड़े होकर पानी भरने का फोटो वायरल हो रहा है। जिसमें साफ नजर आ रहा है कि एक कुएं में लगे लकड़ी के पटरे में खड़े होकर कुएं से पानी निकाल रही है। यह तस्वीर शिक्षा विभाग के व्यवस्थाओं की पोल खोल दी हैं। जिस तरह से मासूम बच्चियां अपनी प्यास बुझाने के लिए कुएं से पानी निकाल रही है यह सरकार और जिला प्रशासन को आईना दिखाने से कम नहीं है। कुएं से पानी निकालते समय लकड़ी की पटरियां गीली रहती हैं ऐसे में लकड़ी में फिसलन होने के चलते कब बच्चों का पैर फिसल जाए और वह कुएं में गिर जाएं कोई कह नहीं सकता।

खास बात ये है कि बच्चों को कुएं की मुंडेर पर लगे लकड़ी के पटरे पर खड़े होकर पानी भरना पड़ रहा है। पानी गिरने से लकड़ी की पटरिया गीली रहती हैं ऐसे में फिसलन होने के चलते कब बच्चों का पैर फिसल जाए कोई कह नहीं सकता। छोटे होने के कारण कई बच्चे पानी के लिए बहुत अधिक खतरा उठा रहे हैं। जरा सी लापरवाही होने से किसी बच्चे की जान भी जा सकती है,लेकिन कुएं से पानी निकालना उनकी भी मजबूरी है। वही बच्चों ने बताया कि एक माह से हैंडपंप खराब है कई बार शिक्षकों से शिकायत की गई लेकिन अब तक हैंडपंप नहीं सुधर पाया।

स्कूली बच्चों को पानी पीने के लिए यहां एक हैंडपंप लगा था लेकिन अब करीब एक महीने से हैंडपंप खराब है। प्रशासन सहित शिक्षा विभाग से जुड़े जिम्मेदारों ने हैंडपंप बनवाने की जहमत नहीं उठाई लिहाजा स्कूली बच्चें अपनी प्यास बुझाने के लिए स्कूल से मेन सड़क को क्रॉस करते हुए करीब एक किलोमीटर दूर लगे हैंडपंप में जा रहे हैं। वहीं कुछ बच्चें स्कूल के पड़ोस के घर में खुदे कुआं से पानी निकाल कर पी रहे हैं। ऐसे में बच्चों के साथ कब हादसा हो जायें कुछ कहा नहीं जा सकता।

ऐसा नहीं है कि नया टोला के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में जल संकट है बल्कि जिले के कई ऐसे विद्यालय हैं जहां पानी का संकट बना हुआ है। जहां बच्चे जान जोखिम में डालकर अपनी प्यास बुझाने को मजबूर हैं। वहीं कर्थुआ विद्यालय के बच्चें आज भी होटल में जाकर अपनी प्यास बुझाते हैं। इस दौरान कई बार उन्हें होटल संचालकों से कहा सुनी हो जाती है और बच्चों को शर्मसार भी होना पड़ता है लेकिन क्या करें प्यास बुझाना भी मजबूरी है।

इनका कहना है

मैं बाहर हूं इस संबंध में मुझे कोई जानकारी नहीं है आपके द्वारा जानकारी मिली है, संकुल प्राचार्य से बात करता हूं। इस समस्या का जल्द ही निराकरण कराया जाएगा ताकि बच्चों को **पेयजल उपलब्ध हो सके।**

एसबी सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी सिंगरौली

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित की गई जनसुनवाई

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता सिंगरौली के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जन सुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान उपनिरीक्षक रुपा अग्निहोत्री, उपनिरीक्षक आई.पी वर्मा, महिला थाना पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई पुलिस अधीक्षक सिंगरौली के द्वारा आयोजित की गई। जनसुनवाई में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए आवेदको के द्वारा आवेदन पत्र समक्ष में प्रस्तुत किये गये, जिसे प्रत्येक आवेदकों से रू-ब-रू होकर उनकी शिकायतो को जनसुनवाई के माध्यम से गंभीरतापूर्वक सुना जाकर कई शिकायतो का मौके में निराकरण कराया गया तथा शेष आवेदन पत्र में वैधानिक कार्यवाही हेतु राजपत्रित अधिकारी (पुलिस), थाना प्रभारियों व चौकी प्रभारियो को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में महिला फरियादियों की शिकायतो को तत्परता से कार्यवाही किये जाने हेतु उपनिरीक्षक रुपा अग्निहोत्री महिला पुलिस अधिकारी/ कर्मचारीयों से शिकायतो की कॉउंसलिंग कराई जाकर उनकी शिकायतो के निराकरण एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु संबंधित थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया।

कलेक्टर ने की 244 आवेदन पत्रो पर जनसुनवाई

जन सुनवाई के आवेदन पत्रो का तत्परता से निराकरण करे अधिकारी : शुक्ला

सिंगरौली। जिले के विभिन्न अंचलो से आयें 244 आवेदको ने जन सुनवाई में कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला को अपना आवेदन देते हुये अपनी समस्याओं से अवगत कराया।कलेक्टर द्वारा सभी आवेदन पत्रो पर गंभीरता पूर्वक जन सुनवाई करते हुये कई आवेदको के समस्याओं का जन सुनवाई में उपस्थित अधिकारियो से निराकरण कराया गया। साथ ऐसे आवेदक जिनके आवेदनों का निराकरण जन सुनवाई के दौरान नही किया जा सका संबंधित विभागीय अधिकारी को ओर भेजते हुये आवेदन पत्रो का तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये गये।

गढवा पुलिस की नशे के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

396 शीशी शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता सिंगरौली के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा सिंगरौली व आशीष जैन एसडीओपी चितरंगी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गढवा निरी. अनिल कुमार पटेल के द्वारा पुलिस टीम गठित कर अवैध शराब की कार्यवाही कि गई। जिसमें गढवा पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब विक्री हेतु अवैध शराब रखे पाये जाने पर एक आरोपी को पकड़ा गया। बताया जाता है कि 15 जुलाई को गढवा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मिसिरगवां का पंकज उर्फ गोलू जायसवाल अपने घर में अवैध शराब बिक्री करने हेतु रखे हुए है। सूचना की तस्दीक करने हेतु थाना प्रभारी गढवा द्वारा गठित टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर रेड कार्यवाही कर आरोपी पंकज उर्फ गोलू जायसवाल पिता जगदीश जायसवाल उम्र 19 वर्ष निवासी मिसिरगवां थाना गढवा जिला सिंगरौली (म.प्र.) के कब्जे से 97 पाव अंग्रेजी गोवा शराब व 299 पाव देशी प्लेन मदिरा शराब कुल 396 पाव (71.28 लीटर) शराब कीमती 34025/ रूप्ये की शराब जप्त की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध धारा कायम की जाकर माननीय न्यायालय पेश किया गया है। इस कार्यवाही मे निरीक्षक अनिल कुमार पटेल, सउनि रामचरण सतनामी, सउनि शिवाकांत बागरी, सउनि मुनीन्द्र देव पाण्डेय, प्रआर. गरूण प्रसाद, आर. महफूज खान, रियाज आलम, अमित यादव, की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एनटीपीसी विंध्याचल की सीएसआर पहल : ग्रामीण युवाओं के लिए रक्षा सेवाओं में करियर का मार्गदर्शन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल के सीएसआरपहल के तहत, उद्यमिता विकास केन्द्र (सेडमैप), मध्यप्रदेश द्वारा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को पैरा मिलिट्री, डिफेंस, राज्य पुलिस, और आर्मी डिफेंस की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना है, जिससे वे इन क्षेत्रों में सफल करियर बना सकें।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य कार्यकारी निदेशक एनटीपीसी विंध्याचल ई. सत्यफणी कुमार द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्रीय ज्ञानार्जन के महाप्रबंधक त्रिलोक सिंह, अपर महाप्रबंधक रघुवेंद्र प्रसाद, मानव संसाधन के अपर महाप्रबंधक राकेश अरोड़ा, उप महाप्रबंधक प्रणव वर्मा, सीएसआर /आर आर वरिष्ठ प्रबंधक महताब आलम, कार्यपालक सीएसआर निखिल जायसवाल, और सेडमैप के कोऑर्डिनेटर अशोक त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम तीन महीने की अवधि का होगा और इसे उद्यमिता विकास केन्द्र (सेडमैप) द्वारा संचालित किया जाएगा। कुल 100 युवाओं को इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिन्हें 50-50 के दो बैच में बांटा जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को डिफेंस और सुरक्षा सेवाओं में करियर बनाने के लिए तैयार करना है, जिससे उनके रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सके।

इस पहल के माध्यम से एनटीपीसी विंध्याचल न केवल युवाओं को आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भी बना रही है। यह कार्यक्रम युवाओं के करियर को नई दिशा देने और उनकी सामरिक एवं शारीरिक क्षमताओं को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के टिप्स, और मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षक उन्हें परीक्षा पैटर्न, रणनीतियाँ, और समय प्रबंधन के बारे में भी जानकारी देंगे, जिससे वे अपनी तैयारी को प्रभावी ढंग से कर सकें।

इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम से न केवल युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी सकारात्मक सामाजिक और आर्थिक बदलाव आएगा। एनटीपीसी विंध्याचल की इस पहल की व्यापक सराहना की जा रही है और यह स्थानीय समुदाय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

18 को सिंगरौली आयेंगे मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

सिंगरौली। मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह यादव 18 को सिंगरौली आयेंगे जानकारी देते हुए युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता पंकज पांडेय ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह 18 तारीख को साम 6बजे कार द्वारा सिंगरौली पहुंचेंगे जहा परसोना में उनका स्वागत कर वैधन लाया जाएगा वैधान में युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम मसाल जुलुस में शामिल होंगे प्रवक्ता श्री पांडेय ने नीट पेपर लीक पटवारी भर्ती घोटाला साथ ही सिंगरौली में बेरोजगार युवाओं की समस्या को लेकर क्युकी यहां पर रोजगार के पर्याप्त अवसर होने के बाद भी यहां के युवा रोजगार के लिए दर दर भटक रहे यहां की कंपनिया पैसे लेकर बाहर से लोगों को लाकर रोजगार दे रही है भाजपा सरकार के स्थानीय जन प्रतिनिधि छुपी साढ़े बैठे है जिसके विरोध मे युवा कांग्रेस वैधान मे जय स्तंभ चौक से मसाल जुलुस निकाला जाएगा ये जुलुस तुलसी मार्ग होते हुए अंबेडकर चौक से काली मंदिर रोड होते हुए वापस जय स्तंभ पर समापन किया जाएगा।

सुहासिनी संघ का दिल छू लेने वाला कार्यक्रम, विंध्य अस्पताल में छातों का वितरण

सिंगरौली। सुहासिनी संघ, एनटीपीसी विंध्याचल लेडीज क्लब, ने हाल ही में विंध्य अस्पताल में एक दिल को छू लेने वाली कल्याणकारी गतिविधिका आयोजन किया, जिसमें अस्पताल के स्टाफ सदस्यों को छाते वितरित किए गए । इस पहल का उद्देश्य तपती धूप और अप्रत्याशित बारिश से राहत प्रदान करना था, ताकि अस्पताल आने वाले लोगों को आराम मिल सके। डॉ. बी.सी. चतुर्वेदी, सीजीएम (मेडिकल), इस अवसर पर सुहासिनी संघ की अध्यक्ष श्रीमती ई. सरोजा फणीकुमार और उपाध्यक्ष श्रीमती

सरिका चतुर्वेदी के साथ मौजूद थे सुहासिनी संघ के सदस्य रंग-बिरंगे छातों के साथ अस्पताल में इकट्ठा हुए, जिससे एक जीवंत और स्वागत पूर्ण माहौल बन गया। जब उन्होंने छाते वितरित किए, तो प्राप्तकर्ताओं के चेहरों पर मुस्कान और कृतज्ञता के भाव दिखाई दिए, जिससे क्लब की सोच-समझकर की गई इस पहल का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट हुआ । यह वितरण कार्यक्रम केवल एक दान कार्य नहीं था; यह सुहासिनी संघ की सामुदायिक कल्याण के प्रतिप्रतिबद्धता का प्रमाण था । क्लब की अध्यक्ष ने सभा को संबोधित करते हुए सामुदायिक भलाई में ऐसे प्रयासों के महत्व पर जोर दिया उन्होंने सभी को एक-दूसरे का समर्थन करने और एकता और देखभाल की भावना को बढ़ावा देने के लिए ऐसे ही गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की समाप्ति एक संतोष और खुशी की भावना के साथ हुई, क्योंकि लेडीज क्लब के सदस्य यह जानते हुए वहां से गए कि उन्होंने अस्पताल आने वालों के जीवन में एक ठोस अंतर पैदा किया है ।

पुलिस चौकी निगरी द्वारा 3 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी को किया गिरफ्तार

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता सिंगरौली के निर्देशन में शिव कुमार वर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंगरौली के पर्यवेक्षण में एवं राहुल कुमार सैयाम, एसडीओपी देवसर व थाना प्रभारी शिव प्रताप सिंह के मार्गदर्शन मे यह कामयाबी मिली है। जानकारी मे बताया गया की प्रकरण क्रमांक 100/21 धारा 128 दंड प्रक्रिया संहिता में 3 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी तेजमन कुशवाहा पिता हीरालाल कुशवाहा उम्र 43 वर्ष निवासी ग्राम निगरी थाना सरई जिला सिंगरौली को पुलिस चौकी निगरी टीम द्वारा दिनांक 14/07/24 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्यवाही मे चौकी प्रभारी उनि प्रियंका सिंह बघेल, प्रधान आरक्षक इंद्रभान बागरी, प्रधान आरक्षक भगवानदिन सिंह, प्रधान आरक्षक कैलाश सिंह, आरक्षक सतीश वास्कले, आरक्षक शुभम, आरक्षक अंकित सिंह, आरक्षक मनोहर देवड़ा, आरक्षक लाल रावत की सराहनीय भूमिका रही।

राजस्व महाअभियान में हर गांव में बी-1 का वाचन कराएं : कमिश्नर

सिंगरौली। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने गूगल मीट से आयोजित बैठक में राजस्व अधिकारियों को राजस्व महाअभियान के संबंध में निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि राजस्व महाअभियान 31 अगस्त तक चलाया जाएगा। अभियान के लिए सभी कलेक्टर रणनीति तैयार कर लें। प्रत्येक गांव में बी-1 का वाचन अनिवार्य रूप से कराएं। बी-1 के वाचन के समय राजस्व निरीक्षक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। अभियान के संबंध में सभी एसडीएम बैठक लेकर शासन के निर्देशों को पटवारियों को अवगत कराएं। अभियान के दौरान कलेक्टर, अपर कलेक्टर तथा एसडीएम राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। निरीक्षण के दौरान अभियान के लिए निर्धारित सभी बिन्दुओं पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। राजस्व महाअभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। प्रत्येक गांव में दीवार लेखन के माध्यम से शिविर की तिथियों की जानकारी दें। सभी जनप्रतिनिधियों को भी अभियान की पूरी जानकारी दें। कमिश्नर ने कहा कि रीवा और शहडोल संभाग के सभी जिलों में नक्शा तरमीम के प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। जो प्रकरण 30 जून तक निराकृत हो गए हैं उनका अभियान के दौरान अमल दरामद कराएं। सभी राजस्व प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल में अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। कलेक्टर, एसडीएम तथा तहसीलदारों से प्रकरणों के शत-

प्रतिशत दर्ज होने का प्रमाण पत्र लें। अभियान के दौरान निरीक्षण में इसका सत्यापन करें। यदि किसी न्यायालय में कोई प्रकरण बिना दर्ज किए हुए पाया जाता है तो संबंधित पीठासीन अधिकारी के ऊपर कार्यवाही करें। राजस्व प्रकरणों के निराकरण की जो समय सीमा तय की गई है उसमें ही प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। संभाग में बंटवारे के भी बड़ी संख्या में प्रकरण लंबित हैं। पक्षकारों को समझाइश देकर बंटवारे के प्रकरण निराकृत करें। नक्शा तरमीम तथा खसरे में सुधार के प्रकरण प्राथमिकता के साथ निराकृत करें। कमिश्नर ने कहा कि नक्शा तरमीम के प्रकरणों में जिनमें कम खातेदार हैं उनके प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें। किसान सम्मान निधि के आवेदनों में ई केवाईसी तथा अन्य कमियों भी अभियान के दौरान दूर कराएं। अभियान के दौरान लगाए जाने वाले शिविरों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के संबंध में समस्त जानकारियाँ दर्ज कराएं। स्वामित्व योजना के पात्र हितग्राहियों का चयन करके 15 अगस्त तक शत-प्रतिशत भू अधिकार पत्र वितरित कराएं। राजस्व अभियान की नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। सभी कलेक्टर निर्धारित प्रपत्र में जानकारी दर्ज कर प्रतिदिन प्रस्तुत करें। कमिश्नर ने अधिकारियों से कहा कि त्यौहारों के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में मनरेगा अथवा अन्य योजना से शांति धाम निर्माण के निर्देश दिए। गूगल मीट के माध्यम से कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने बताया कि अभियान का ग्रामवार कार्यक्रम तैयार कर लिया गया है। सभी राजस्व न्यायालयों का एक सप्ताह में निरीक्षण कर लिया जाएगा। प्रथम राजस्व अभियान में जिन बिन्दुओं पर जिले का प्रदर्शन कमजोर था उनको प्राथमिकता देते हुए समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जायेगा। जिसके लिए जिला स्तर नोडल अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। उन्होंने अवगत कराया कि अभियान के दौरान सभी राजस्व अधिकारियों का मूल्यांकन करके उनकी रैंकिंग की जाएगी। उन्होंने अवगत कराया कि सभी उपखण्ड अधिकारियो को निर्देश दिये गये कि पटवारियों से राजस्व महाअभियान के दौरान राजस्व प्रकरणों के निराकरण की रिपोर्ट प्रति दिवस प्राप्त कर प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे।बैठक के दौरान संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम सिंगरौली सृजन बर्मा, तहसीलदार सविता यादव,एस.एल.आर, लोकसेवा प्रबंधक रमेश पटेल सहित राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा (दो पैकेट प्रणाली), इंजीनियरिंग निर्माण शाखा

ई. निविदा क्रमांक डिप्टी. सी.ई.–सी.–सीधी–05–2024 दिनांक–11.07.2024

उप मुख्य अभियंता (निर्माण) पश्चिम मध्य रेल, सीधी, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई.–निविदा नोटिस क्रमांक डिप्टी सी.ई.–सी.–सीधी–05–2024, दिनांक–11.07.2024 के द्वारा आमंत्रित करते है। निविदाएं बंद होने की तारीख 14.08.2024 एवं समय 15:00 बजे तक है। निविदाकर्ता अपनी मूल/संशोधित निविदा बंद होने के दिनांक एंव समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। उपरोक्त निविदा में हस्त निविदाएं स्वीकार्य नहीं होगी तथा हस्तनिविदाओं को उपेक्षित कर दिया जायगा। निविदाएं पूर्व उल्लेखित समय एवं दिनांक पर खोली जाएगी। **निविदा क्र.:** डिप्टी सी.ई.–सी.–सीधी–05–2024 दिनांक–11.07.2024, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** मध्य प्रदेश राज्य में सीधी–सिंगरौली नई बीजी रेल लाइन परियोजना के संबंध में सीधी – गजराही – बहरी – देवसर खंड में किमी 88.750 से किमी 123.680(सुरंग को छोड़कर) तक प्लेटफार्म, सीओपी, जलापूर्ति, स्वच्छता कार्य, शौचालय ब्लॉक, बाड़, प्लेटफार्म पर यात्रियों के लिए छाया, परिसंचारी क्षेत्र, पहुंच मार्ग, एसपी/एसएसपी, मिट्टी कार्य और गजराही और बहरी स्टेशन पर अन्य विविध कार्यो के साथ स्टेशन भवन का निर्माण, पी–वे कार्य, गिट्टी आपूर्ति, पी–वे सामग्री का परिवहन और अन्य विविध कार्य।, **निविदा का अनुमानित मूल्य:** रु. 522258991.83, **निविदा फार्म की (कीमत रुपये):** रु.0.00, **बयाना राशि(रुपये में):** रु. 2761300.00, **कार्य समापन अवधि (माह):** 18 माह मानसून सहित, **ई–निविदा बंद होने की और खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक–14.08.2024 को 15:00 बजे बंद एवं 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदाकर्ता अपनी निविदाएं आई.आर.ई.पी.एस. के माध्यम से https:// www.ireps.gov.in पर आनलाइन निविदा करें। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है, कि वे समय–समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु आई.आर.ई.पी.एस. की वेबसाइट https:// www.ireps.gov.in देखते रहें। न्यूनतम पात्रता मानदंड टेन्डर फार्म के अनुसार इन निविदाओं के लिए लागू होगा।

उप मुख्य अभियंता(निर्माण), पश्चिम मध्य रेल, सीधी

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

राजस्व महाअभियान में हर गांव में बी-1 का वाचन कराएं : कमिश्नर

30 जून तक पारित आदेश शत-प्रतिशत अमल दरामद कराएं : कमिश्नर

कमिश्नर ने गूगल मीट से राजस्व महाअभियान के संबंध में दिए निर्देश

सीधी। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने गूगल मीट से आयोजित बैठक में राजस्व अधिकारियों को राजस्व महाअभियान के संबंध में निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि राजस्व महाअभियान 31 अगस्त तक चलाया जाएगा। अभियान के लिए सभी कलेक्टर रणनीति तैयार कर लें। प्रत्येक गांव में बी-1 का वाचन अनिवार्य रूप से कराएं। बी-1 के वाचन के समय राजस्व निरीक्षक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। अभियान के संबंध में सभी एसडीएम बैठक लेकर शासन के निर्देशों को पटवारियों को अवगत कराएं। अभियान के दौरान कलेक्टर, अपर कलेक्टर तथा एसडीएम राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। निरीक्षण के दौरान अभियान के लिए निर्धारित सभी बिन्दुओं पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। राजस्व महाअभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। प्रत्येक गांव में दीवार लेखन के माध्यम से शिविर की तिथियों की जानकारी दें। सभी जनप्रतिनिधियों को भी अभियान की पूरी जानकारी दें।

कमिश्नर ने कहा कि रीवा और शहडोल संभाग के सभी जिलों में नक्शा तरमीम के प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। जो प्रकरण 30 जून तक निराकृत हो गए हैं उनका अभियान के दौरान अमल दरामद कराएं। सभी राजस्व प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल में अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। कलेक्टर, एसडीएम तथा तहसीलदारों से प्रकरणों के शत-प्रतिशत दर्ज होने का प्रमाण पत्र लें। अभियान के दौरान निरीक्षण में इसका सत्यापन करें। यदि किसी न्यायालय में कोई प्रकरण बिना दर्ज किए हुए पाया जाता है तो संबंधित पीठासीन अधिकारी के ऊपर कार्यवाही करें। राजस्व प्रकरणों के निराकरण की जो समय सीमा तय की गई है उसमें ही प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। संभाग में बंटवारे के भी बड़ी संख्या में प्रकरण लंबित हैं। पक्षकारों को समझाइश देकर बंटवारे के प्रकरण निराकृत करें। नक्शा तरमीम तथा खसरे में सुधार के प्रकरण प्राथमिकता के साथ निराकृत करें।

कमिश्नर ने कहा कि नक्शा तरमीम के प्रकरणों में जिनमें कम खातेदार हैं उनके प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें। किसान सम्मान निधि के आवेदनों में ई केवाईसी तथा अन्य कमियाँ भी अभियान के दौरान दूर कराएं। अभियान के दौरान लगाए जाने वाले शिविरों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के संबंध में समस्त जानकारियाँ दर्ज कराएं। स्वामित्व योजना के पात्र हितग्राहियों का चयन करके 15 अगस्त तक शत-प्रतिशत भू अधिकार पत्र वितरित कराएं। राजस्व अभियान की नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। सभी कलेक्टर निर्धारित प्रपत्र में जानकारी दर्ज कर प्रतिदिन प्रस्तुत करें। कमिश्नर ने अधिकारियों को त्यौहारों के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में मनरेगा अथवा अन्य योजना से शांति धाम निर्माण के निर्देश दिए। सीधी एनआईसी कक्ष से कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे। अन्य राजस्व अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

आवास सुविधा सभी के लिए मूलभूत आवश्यकता : विधायक

थाना अमिलिया में बैरक निर्माण का भूमि पूजन सम्पन्न हुआ

सीधी। अमिलिया सहित विधानसभा क्षेत्र के सभी थानों एवं चौकियों में कर्मचारियों के लिये आवास एवं अन्य आवश्यक अधोसंरचनात्मक कार्यो को प्राथमिकता से पूरा कराने के प्रयास किये जायेंगे। सभी के लिये आवास मूलभूत आवश्यकता है। उक्त आशय के विचार क्षेत्रीय विधायक श्री विश्वामित्र पाठक ने थाना अमिलिया में बैरक निर्माण के भूमि पूजन के अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर व्यक्त किये।

विधायक श्री पाठक के अनुशंसा पर स्वीकृति थाना अमिलिया में बैरक निर्माण लागत 10 लाख रूपये कार्य का भूमि पूजन कार्यक्रम विधायक सिहावल के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. रविन्द्र वर्मा पुलिस अधीक्षक सीधी के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती पार्वती देवी सरपंच अमिलिया ने की। भूमि पूजन कार्यक्रम विधिवत पूजा अर्चना एवं मंत्रोच्चार के साथ हुआ तत्पश्चात निर्माण स्थल पर अतिथियों ने पांच-पांच फावड़ा चलाकर कार्य की शुरुआत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि आवास सभी के लिए आवश्यक है। सभी थानों एवं चौकियों में अधोसंरचनात्मक आवश्यकताओं को पूरा कराना मेरी प्राथमिकता में है। विधायक ने सिहावल चौकी एवं बहरी थाना में बैरक निर्माण के लिए पांच-पांच लाख रुपए विधायक निधि से देने की घोषणा की। पुलिस अधीक्षक डॉ. वर्मा ने कहा कि थाना एवं चौकियों में स्टाफ के रहने की सुविधाओं का अभाव है। माननीय विधायक ने बैरक निर्माण की स्वीकृति दिलाकर बहुत बड़ी सौगात दी है। इसके लिए हम आभारी हैं इससे स्टाफ के रहने की सुविधा तो मिलेगी साथ ही कर्मचारियों की दक्षता तथा क्षमता में भी वृद्धि होगी। क्षेत्र को शांति युक्त एवं अपराध मुक्त बनाना हमारी प्राथमिकता में है। उक्त अवसर पर मुख्य रूप से अरविंद श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, आशुतोष द्विवेदी एसडीओपी, राजेश पाण्डेय टी आई, शेषमणि मिश्रा चौकी प्रभारी सिहावल, जय शंकर द्विवेदी मंडल अध्यक्ष, सिद्धार्थ गौतम, गजराज सिंह, पुष्पेंद्र मिश्रा, गिरीश द्विवेदी, प्रदीप शुक्ला, संतोष शुक्ला, विश्वनाथ शाहू सहित पुलिस स्टाफ, पत्रकार, गणमान्य जन उपस्थित रहे।

सांसद ने लिया माधवाचार्य जी का आशीर्वाद, किया भागवत कथा का श्रवण

सीधी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने आज अपने व्यस्ततम समय में से समय निकालकर स्थानीय गायत्री मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया और प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या पुरी धाम से पधारे स्वामी श्री माधवाचार्य जी का आशीर्वाद प्रदान प्राप्त किया।

कथा श्रवण के पश्चात सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने से ही समस्त प्रकार के पुण्य और भाग्यो का उदय होता है। हम सभी को अपने जीवन में कुछ समय निकालकर भगवत भक्ति में लगाना चाहिए। सीधी नगर के पवित्र गायत्री शक्तिपीठ मंदिर में चल रही भागवत कथा का श्रवण करने के लिए सभी नगर वासी आए और कथा श्रवण का पुण्य कमाए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ समाजसेवी कन्हैया सिंह चौहान, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, राकेश मौर्य, डॉ मनोज सिंह परिहार, पुष्पराज मिश्रा, आशीष मिश्रा सहित सैकड़ो भागवत कथा प्रेमी उपस्थित रहे। इसके पूर्व सांसद डॉक्टर मिश्रा ने कथावाचक स्वामी श्री माधवाचार्य जी का अभिनंदन किया और स्वामी जी ने सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा को विजय श्री की हार्दिक शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने सुनी 236 आवेदकों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

अंसू कुशवाहा ट्राई साईकिल और गोबाई भुजवा व्हील चेयर मिलने से बेहद खुश दिखे

सीधी। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे द्वारा जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों से आए 236 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। सीईओ जिला पंचायत ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि जिन आवेदन पत्रों में समय सीमा निर्धारित किया जाता है उसको तत्काल विभाग प्रमुख अपने संज्ञान में लेकर निराकरण कर संबंधित शिकायतकर्ता सूचित करें।

जनसुनवाई में हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए सीईओ जिला पंचायत ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रत्येक स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों की पहचान करें तथा उनका समाधान करते हुए प्रत्येक हितग्राही को पात्रतानुसार लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करें। सीईओ जिला पंचायत ने जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि शासन द्वारा लोगों की समस्या के त्वरित निराकरण करने की मंशा से जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। इसे पूरी गंभीरता से लें तथा प्राप्त

समस्याओं का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें।

जनसुनवाई में ग्राम गिजवार से आई दिव्यांग अंसू कुशवाहा ने कभी नहीं सोचा था कि उनकी समस्या का त्वरित निराकरण संभव हो सकेगा और उन्हें सहजता से इसका लाभ प्राप्त होगा। अंसू ने बताया कि पैर से विकलांग के कारण वे चलने में असक्षम है। जिससे उन्हें कहीं भी आने-जाने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ती है। वह अपना काम स्वयं नहीं कर पाते हैं। यदि हमें ट्राई सायकल प्राप्त हो जाये तो वे अपना कार्य किसी के सहारे के बिना भी स्वयं कर सकेगी और कही भी आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। ऐसे ही जनसुनवाई में नगर पालिका परिषद सीधी वार्ड क्रमांक 4 से आई सुनीता भुजवा ने सीईओ जिला पंचायत को बताया कि उनके पिता गोबाई भुजवा से ही पैर से विकलांग हो जाने के कारण वे चलने में असक्षम है। वे गरीब परिवार से है व्हील चेयर खरीदने सक्षम नही है घर में या कही भी आने-जाने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ती है। वह अपना काम स्वयं नहीं कर पाते हैं। उन्होने कहा कि यदि हमें व्हील चेयर प्राप्त हो जाये तो वे अपना कार्य किसी के सहारे के बिना भी स्वयं कर सकेगें और कही भी आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी।

उक्त दोनो आवेदकों की शारीरिक स्थिति को देखते हुए सीईओ जिला पंचायत ने सामाजिक न्याय विभाग द्वारा अंसू कुशवाहा को ट्राईसाइकिल तथा गोबाई भुजवा को व्हील चेयर प्रदान कराई। जनसुनवाई में समस्याओं के त्वरित निराकरण होने से आवेदक बहुत खुश और संतुष्ट दिखे।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, संयुक्त कलेक्टर एस.पी. मिश्रा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड का संभाग चुरहट में खोला जाए

सीधी। जिले में मध्य प्रदेश विद्युत मंडल का संभाग सन 1979 में खोला गया था उसे समय सिंगरौली भी सीधी जिले के अंतर्गत आता था कुल मिलाकर छह वितरण केंद्र थे एवं तीन उच्च दाब कनेक्शन थे तथा दो संभाग था चार विद्युत उपकेंद्र थे एवं 50000 उपभोक्ता थे आज वर्तमान में सीधी जिला दो जिलों में परिवर्तित कर दिया गया है। सीधी जिला एवं सिंगरौली जिले के नाम से जाना जाता है सिंगरौली जिले को 2008 में बनाया गया है वर्तमान में सिंगरौली जिले में दो कार्यपालन अभियंता संचालन एवं संधारण तथा शहर संभाग के नाम से बनाया गया है जबकि सीधी जिले में एक ही कार्यपालन अभियंता संचालन एवं संधारण कार्यरत है पूरे मध्य प्रदेश में सीधी जिला एक ऐसा दुर्भाग्यशाली जिला है की एक ही कार्यपालन अभियंता 18 वितरण केंद्र चार उप संभाग 20 नंबर उच्च दाब उपभोक्ता 45 नंबर विद्युत उपकेंद्र 80000 पंप वक्त 90 नंबर पावर ट्रांसफार्मर एवं तीन लाख निम्न दाब उपभोक्ता वर्तमान में है बड़ी दुर्भाग्य से साथ अवगत कराना पड़ रहा है की सीधी जिले में भारतीय जनता पार्टी के सांसद एवं विधायक की बहुतायत है परंतु बिजली विभाग की ओर किसी भी सांसद एवं विधायक का ध्यान नहीं जा रहा है की एक कार्यपालन अभियंता इतने बड़े विद्युत उपभोक्ताओं को संचालित कर रहा है जबकि कम से कम दो संभाग अतिरिक्त खोले जा सकते हैं जिसकी पैरवी पिछले वर्ष भी मेरे द्वारा की गई थी परंतु सही जानकारी उपलब्ध न करने के कारण चुरहट को संभाग नहीं बनाया गया अत: पुणे से विद्युत पेंशन हित रक्षक संघ की ओर से विनम्र अनुरोध है कि माननीय सांसद महोदय माननीय कलेक्टर महोदय माननीय अधीक्षण अभियंता महोदय माननीय कार्यपाली एंट्री संचालन एवं संधारण महोदय विशेष रुचि लेने की कृपा करें।

मानवाधिकार प्रदेश कल्याण सचिव द्वारा जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

सीधी। भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के मध्यप्रदेश के प्रदेश कल्याण सचिव राकेश कुमार मौर्य द्वारा जिला चिकित्सालय सीधी का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें जिला चिकित्सालय सीधी में कई कमिया देखने को मिली सबसे बड़ी कमी यह देखने को मिली जिला चिकित्सालय सीधी में जो पुलिस चौकी जिसे 24 घंटे खुली होनी चाहिए और पर्याप्त स्टाफ भी होने चाहिए। परंतु उसका दरवाजा बंद मिला और दरवाजा खोल कर देखने पर कोई भी स्टाफ उपस्थित नहीं मिला अर्थात यदि कोई गंभीर एक्सीडेंट या कोई वारदात से घायल आदमी आये तो पुलिस रिपोर्ट के पहले ही वह मृत्यु को प्राप्त कर लेगा वह अपना कोई बयान भी नही दे पाएगा। इसी प्रकार मरीजों से बात करने पर पता चला कि आज कोई भी डॉक्टर सुबह से अभी तक मरीजों को देखने राउंड में नहीं आए हैं।

कार्यालय कलेक्टर जिला – सीधी एवं पदेन उपसचिव म.प्र. शासन, राजस्व विभाग

पत्र क्र0-568 /भू-अर्जन/2024/ सीधी दिनांक 03/07/2024

अधिसूचना

चूँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है, कि इस संलग्न अनुसूची के खानें (1) से (5) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खानें (5) में उसके सामनें दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़नें की संभावना है। अतः भू-अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, कि कोई भी व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने तक अधिसूचना मे विनिर्दिष्ट भूमि का कोई संव्यवहार नही करेगा या कोई संव्यवहार नही कराएगा, अथवा ऐसी भूमि पर कोई विलंगम सृजित नही करेगा। यह परियोजना कृषकों के हित से सम्बन्ध है। यहाँ पर कोई वृहद स्तर का विस्थापन न होकर महान (गुलाब सागर) परियोजना के द्वितीय चरण मे बहरी नहर विस्तार योजना के मुख्य नहर निर्माण हेतु क्षेत्र प्रस्तावित है। यह प्रक्रिया/परियोजना शासन एवं आम जन के न्याय हित मे होने के कारण सामाजिक समाघात के पूर्व मूल्यांकन/आंकलन की आवश्यकता नहीं है। राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (4) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के सम्बन्ध में धारा – 12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है।

" अनुसूची"

1– भूमि का विवरण:–

ग्राम का नाम :– सदला
तहसील :– बहरी
जिला :– सीधी
• निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल :– रकवा 0.2030 हे.

स.क्र.	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु प्रस्तावित रकवा (हे.मे)	धारा–12 के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5
1	98	0.0130	कार्यपालन यंत्री महान नहर संभाग सीधी जिला – सीधी (म.प्र.)	महान (गुलाब सागर) परियोजना के बहरी नहर विस्तार योजना (द्वितीय चरण) के मुख्य नहर निर्माण हेतु।
2	145	0.1100		
3	146	0.0500		
4	147	0.0300		
Total	04 किता	0.2030 Ha.		

2. भूमि का नक्शा (प्लान) कार्यालय उपखण्ड अधिकारी बहरी में देखा जा सकता है।
3. उक्त कार्य हेतु सम्बन्धित परिवारों के पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन प्रयोजन के लिए अपर कलेक्टर सीधी को प्रशासक नियुक्त किया जाता है। अतः हितबद्ध कोई भी व्यक्ति इस हेतु उनके समक्ष 60 दिनों के अन्दर आवेदन कर सकता है।
4. धारा–11 के तहत जारी उक्त अधिसूचना की प्रकाशन की तारीख से 60 दिन के भीतर कोई भी व्यक्ति अधिनियम 2013 की धारा–15 के तहत लिखित आक्षेप प्रस्तुत कर सकेत है।
5. यह सूचना सर्व सम्बन्धितों की जानकारी के लिए जारी की जा रही है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा
आदेशानुसार

(स्वरोचिष सोमवंशी)
कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव
म.प्र. शासन राजस्व विभाग

जी–13631/24

मध्यप्रदेश की जनता ने 29 सीटे जिताकर अजेय रिकार्ड बनाया : देव कुमार

लोकसभा में मिली प्रचंड जीत का श्रेय पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को जाता है : कुंवर सिंह

सीधी। धौंहनी विधानसभा के विभिन्न मंडलों की बैठक भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता एवं क्षेत्रीय विधायक कुंवर सिंह टेकाम के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई।

कामकाजी बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना यह एक ऐतिहासिक है। मध्य प्रदेश की जनता ने 29 में 29 सीटे जीताकर अजेय रिकॉर्ड बनाया है। जिसे भविष्य में कोई तोड़ नहीं सकता है। इन सभी पुनीत कार्यों के लिए जनता जनार्दन के साथ-साथ पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का भाजपा जिला अध्यक्ष श्री चौहान ने दोनों हाथ जोड़कर अभिनंदन करते हुए धन्यवाद व्यापित किया।

मंडल पदाधिकारी को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष श्री चौहान ने कहा कि मंगल कार्य समिति में परित विभिन्न प्रस्ताव एवं आगामी कार्यक्रमों की चर्चा, शक्ति केंद्र पर जाकर अनिवार्य रूप से करें। पारित प्रस्ताव का वाचन भी करें। हर घर तक प्रस्तावों की जानकारी पहुंचाना प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि

विधानसभा चुनाव के पश्चात हुए लोकसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत कई महीनो में ऐतिहासिक है। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की जनकल्याणकारी योजनाएं के साथ-साथ हमारे सभी पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है।

धौंहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता का सम्मान मेरा सम्मान है। हर कार्यकर्ता का विकास हो, उन्नति हो, यह मेरी प्रमुख प्राथमिकता रहेगी। शक्ति केंद्र और पोलिंग बूथ की समितियां सशक्त और समृद्धशालियों इसके लिए मै परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए क्षेत्र की जनता जनार्दन की सेवा के लिए समर्पित हू। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे ने बताया कि जिले के 15 मंडलों में बृहद मंडल कार्य समिति की बैठक भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हो रही है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से विभिन्न मंडलों की कार्य समिति में मंडल अध्यक्ष अनीता सिंह, प्रवीण तिवारी, कृष्ण लाल पयाशी, ईश्वर दिन सिंह, जिला महामंत्री विनोद साकेत अखिलेश पांडे जवाहरलाल यादव सुरेश गुप्ता रामदयाल गुप्ता राजेंद्र उरमालिया चंद्रबली सिंह गणेश यादव संत कुमार वैद्य राजकुमार यादव महेंद्र बैग बच्चन सिंह चंद्रभान सिंह तिलकधारी यादव संतोष जायसवाल सहित मंडलों के पदाधिकारी, मोर्चा और प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

बदलती चुनौतियां, देश में आबादी बढ़ने की रफ्तार कम हो रही

विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर भारत सरकार की ओर से जारी किए गए ये आंकड़े कई लिहाज से उत्साहवर्धक कहे जाएंगे कि देश के 36 में से 31 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों ने टोटल फर्टिलिटी रेट को रिप्लेसमेंट लेवल (2.1) से नीचे लाने में कामयाबी हासिल कर ली है। टीएफआर का आशय किसी महिला द्वारा पूरे जीवन काल में जन्म दिए जाने वाले बच्चों की औसत संख्या से है और रिप्लेसमेंट लेवल वह स्तर है जिस पर किसी खास समाज या क्षेत्र की आबादी संतुलित रहती है। यानी किसी देश में टीएफआर के रिप्लेसमेंट लेवल पर पहुंचने का मतलब यह माना जाता है कि अब जनसंख्या में बढ़ोतरी को चुनौती के रूप में लेने की जरूरत नहीं है। भारत के संदर्भ में, यह देखना दिलचस्प है कि जनसंख्या वृद्धि को एक चुनौती के रूप में लेते हुए कैसे हम धीरे-धीरे उस स्थिति में आ गए जहां हमारे लिए चुनौती जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने की उतनी नहीं, जितनी डेमोग्राफिक डिविडेंड का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल करने की है। खास बात यह कि हम एक लोकतांत्रिक समाज के तौर पर अपने रास्ते चलते हुए यहां पहुंचे हैं। हमें चीन के उन बाध्यकारी तरीकों की ओर जाने की जरूरत नहीं पड़ी जो एक समय काफी आकर्षक माने जाते थे, पर आखिरकार बड़े हानिकारक साबित हुए। हर साल की तरह इस बार भी विश्व जनसंख्या दिवस पर संयुक्त राष्ट्र की ओर से भी बाकायदा आंकड़े जारी कर बताया गया है कि आने वाले दशकों में भारत की आबादी का अन्य देशों के मुकाबले अनुपात क्या रहेगा। इन गणनाओं की अहमियत से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन इनकी प्रामाणिकता असंदिग्ध इसलिए भी नहीं मानी जा सकती क्योंकि भारत में जनगणना के वास्तविक आंकड़े करीब डेढ़ दशक पुराने हैं। 2011 के बाद 2021 में जनगणना होनी थी जो अभी तक नहीं हुई है।

जनादेश के तत्काल बाद से सवाल उठने लगे थे कि भारतीय जनता पार्टी इस बार बहुमत हासिल करने से वंचित रह गई। उसे अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, यानी राजग के सहयोगियों पर निर्भर रहना होगा। नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद से नई दिल्ली तक सिर्फ बहुमत की सरकारें चलाई हैं। वह इस स्थिति में अपने दायित्व का निर्वाह कैसे करेंगे? यही वजह है कि उनके पहले महीने के क्रिया-कलापों पर चर्चा जरूरी है। इस एक माह ने आने वाले चार साल 11 महीनों की प्रस्तावना रच दी है। मंत्रिमंडल गठन से शुरू करते हैं। मतगणना के बाद से कुछ लोग मानते थे कि मोदी को मंत्रिमंडल के गठन में खासी मशक्कत करनी होगी। चर्चाएं थीं कि तेलुगू देशम पार्टी और जनता दल (यूनाइटेड) कड़ा मोल-भाव करेंगे। ऐसा हुआ क्या? किसी भी मंत्रिमंडल की पहचान कैबिनेट कमेटी ऑफ सिक्युरिटी, यानी सीसीएस से होती है। इस समूह के पास अकूत शक्ति होती है। उसमें सभी पुराने चेहरे कायम रहे। इसी तरह, इन दोनों बड़े सहयोगियों को जो विभाग मिले, उनकी बहुत चर्चा न तो पहले होती थी, न आगे होने वाली है।

मोदी 3.0 के पहले तीस दिन

(शशि शेखर)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछली 9 जुलाई को क्या कर रहे थे? वह मॉस्को में थे। उन्होंने उस दिन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर-वार्ता की और साझा बयान जारी किया। इससे एक दिन पूर्व मोदी ने पुतिन से अनौपचारिक बातचीत के दौरान दो महत्वपूर्ण बातें कहीं। पहली यह कि मैं अपने साथ एक अरब चालीस करोड़ भारतवासियों का प्यार लेकर आया हूं। दूसरी, बमों के धमाकों के बीच शांति नहीं स्थापित हो सकती।

इन दो वाक्यों का मतलब क्या है?

प्रधानमंत्री अपने पहले वाक्य के जरिये कह रहे थे, आप या दुनिया का कोई और सत्तानायक यह समझने की भूल न करे कि मुझे जो जनादेश मिला है, वह पहले से कमजोर है। मैं एक संप्रभु देश का सर्वशक्तिमान प्रधानमंत्री हूं। यकीनन, पुतिन ने उनके इस भाव को जस का तस ग्रहण किया। अब आते हैं दूसरे बयान पर। वह बमों और हिंसा का उल्लेख कर पश्चिमी देशों को संदेश दे रहे थे कि भारतीय विदेश नीति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। जो मानते हैं कि भारत को खुले तौर पर अमेरिका के साथ जाना चाहिए, उन्हें भी इस दौरान समुचित प्रत्युत्तर मिला।

यहां 'क्वाड' का उल्लेख जरूरी है। यह अनौपचारिक, पर महत्वपूर्ण रणनीतिक मंच है, जिसमें भारत के साथ अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की सहभागिता है। अब जब अमेरिका नाटो के 75वें वर्ष में उसे पूर्वी यूरोप से एशिया तक ले जाना चाहता है, तब नाटो का हिस्सा बने बिना हम क्वाड के जरिये अपनी संतुलनकारी नीति को कायम रख सकते हैं। भारतीय विदेश नीति सबको साथ लेकर चलने के साथ राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि स्थान देती है। यही वजह है कि सीमा विवाद के बावजूद चीन हमारा प्रमुखतम व्यापारिक सहयोगी है। अमेरिका की घुड़कियों के बावजूद हम रूस से हथियार और तेल खरीदते हैं। चीन और रूस चाहें या न चाहें, अमेरिका सहित सभी पश्चिमी देशों से भारत के आत्मीय रिश्ते हैं। लेकिन मैं यहां विदेश नीति पर चर्चा नहीं करना चाहता। मेरा

मकसद इसी 9 जुलाई को पूरे हुए मोदी 3.0 के पहले महीने पर बात करना है।

जनादेश के तत्काल बाद से सवाल उठने लगे थे कि भारतीय जनता पार्टी इस बार बहुमत हासिल करने से वंचित रह गई। उसे अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, यानी राजग के सहयोगियों पर निर्भर रहना होगा। नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद से नई दिल्ली तक सिर्फ बहुमत की सरकारें चलाई हैं। वह इस स्थिति में अपने दायित्व का निर्वाह कैसे करेंगे? यही वजह है कि उनके पहले महीने के क्रिया-कलापों पर चर्चा जरूरी है। इस एक माह ने आने वाले चार साल 11 महीनों की प्रस्तावना रच दी है।

मंत्रिमंडल गठन से शुरू करते हैं। मतगणना के बाद से कुछ लोग मानते थे कि मोदी को मंत्रिमंडल के गठन में खासी मशक्कत करनी होगी। चर्चाएं थीं कि तेलुगू देशम पार्टी और जनता दल (यूनाइटेड) कड़ा मोल-भाव करेंगे। ऐसा हुआ क्या? किसी भी मंत्रिमंडल की पहचान कैबिनेट कमेटी ऑफ सिक्युरिटी, यानी सीसीएस से होती है। इस समूह के पास अकूत शक्ति होती है। उसमें सभी पुराने चेहरे कायम रहे। इसी तरह, इन दोनों बड़े सहयोगियों को जो विभाग मिले, उनकी बहुत चर्चा न तो पहले होती थी, न आगे होने वाली है। हमेशा सबल और समर्थ तरीके से अगुवाई के अभ्यस्त नरेंद्र मोदी के वक्त में किसी और की चर्चा की जगह भी कहां है?

मंत्रिमंडल की मानिंद लोकसभा का अध्यक्ष कौन होगा, इस पर भी अफवाहों का बाजार गर्म था। समझदारों को तो तभी इशारा मिल गया था, जब महज चंद दिन पहले बीजू जनता दल से पुराना नाता तोड़कर भारतीय जनता पार्टी के शिविर में आए भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। उस समय उनसे वरिष्ठ सांसद सदन में मौजूद थे। विपक्ष ने शोर मचाया कि यह गलत है, पर उसकी एक न चली। बाद में ओम बिरला अध्यक्ष की आसंदी पर पुनः जा विराजे। बिरला अपने पिछले कार्यकाल में खासे विवादों में रहे थे। उन्होंने दर्जनों सांसदों को निलंबित किया था। राहुल गांधी और महुआ मोइत्रा जैसे सांसदों को सदस्यता से बेदखल कर दिया था। तमाम लोग लोकसभा अध्यक्ष के पद पर उनकी वापसी को असंभव मानते थे। इस फैसले के जरिये भाजपा ने जता दिया कि उसकी प्रभुता जस की तस है। बाद में, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के दौरान तमाम तरह की बयानबाजी हुई, लेकिन न तो सरकार विचलित हुई, न लोकसभा के अध्यक्ष।

संसद के इस सत्र ने कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं। आरोप-प्रत्यारोप देखकर लगता है कि सियासी प्रतिद्वंद्विता की जगह निजी रंजिश ने ले ली है। संसार के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए यह शुभ शकुन नहीं है। देश के तमाम बड़े मुद्दों पर पक्ष-विपक्ष में आम राय जरूरी होती है।

उसका अभाव भी खलने लगा है। दोनों तरफ के 'माननीय' इस पर विचार क्यों नहीं करते? क्या सरकार बजट सत्र के पहले इसकी पहल करेगी? परंपरानुसार पहली जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की बनती है।

अब आते हैं भारतीय जनता पार्टी पर। लगातार दो बार बहुमत हासिल कर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने पार्टी पर तगड़ी पकड़ बना ली थी। अफवाहें थीं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को इससे परेशानी है। कयास थे कि इस बार संघ दखल देना चाहेगा। क्या ऐसा हुआ? अभी तक तो इसका कोई असर नहीं दिखाई पड़ रहा। मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का कार्यकाल पिछली 30 जून को समाप्त हो गया है। वह पहले से 'एक्सटेंशन' पर हैं। एक पखवाड़ा बीत रहा है, पर आज भी नड्डा बतौर पार्टी अध्यक्ष फैसले ले रहे हैं। तय है, पार्टी पर मोदी-शाह की पकड़ यथावत है।

सीपीसी के थर्ड प्लेनम पर क्यों टिकीं निगाहें, चीन के सामने क्या हैं मुश्किलें

(चंद्रभूषण)

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का थर्ड प्लेनम चर्चा में है। 15 से 18 जुलाई तक चलने वाली चीन की इस महत्वपूर्ण नीति निर्धारक कवायद में उसकी सीमा से बाहर बैठे पॉलिसी मेकर्स की भी खासी दिलचस्पी है। अभी वहां बेरोजगारी सामान्य से ज्यादा है और अर्थव्यवस्था के कुछ क्षेत्र संकट का सामना कर रहे हैं। पूर्वी चीन सागर और दक्षिणी चीन सागर के अलावा भारत-चीन सीमा पर भी तनाव बना हुआ है। ऐसे में आगे की दिशा को लेकर चीन पर सबकी नजर है।

तीसरे अधिवेशन होता है खास- प्लेनम को हिंदी में 'पूर्णाधिवेशन' कहा जाता रहा है। कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के अलावा बड़ी जिम्मेदारियां संभालने वाले अन्य पार्टी सदस्य भी इसमें शामिल होते हैं। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की दो कांग्रेसों के बीच होने वाले कुल पांच पूर्णाधिवेशनों में 'तीसरा' एक रवायत की तरह सबसे खास होता आया है। तंग श्याओफिंग ने 1978 में चीन के आधुनिकीकरण की घोषणा ऐसे ही एक 'थर्ड प्लेनम' में की थी और 1993 में चीनी अर्थव्यवस्था को दुनिया के लिए खोल दिया गया था। शी चिनफिंग को भी सबसे ज्यादा 2013 में की गई उनकी थर्ड प्लेनम घोषणाओं के लिए ही याद किया जाता है। कायदे से यह प्लेनम पिछले साल अक्टूबर में हो जाना चाहिए था। इसके आयोजन में हुई देरी से तमाम अटकलें पैदा हुई हैं।

ग्रोथ में गिरावट- कुछ तथ्यों पर नजर डालें। कोविड को लेकर चीन ने कुछ ज्यादा ही सख्ती बरती और अर्थव्यवस्था को खोलने में देर कर दी। इससे महामारी में उसकी लय एक बार बिगड़ी तो पूरी तरह सम पर आज भी नहीं आ पाई है। 2023 में उसकी जीडीपी ग्रोथ 4.6 प्रतिशत दर्ज की गई। जितनी ऊंची जीडीपी हम वहां देखते आए हैं, उसके मद्देनजर यह काफी कम है।

निवेश हुआ कम- रियल एस्टेट और एक्सपोर्ट का हाल बुरा बताया जा रहा है। उपभोक्ता सामानों का बाजार ठहरा हुआ है। सबसे बड़ी समस्या निवेश के स्तर पर देखी जा रही है। चीन में निजी और सरकारी उद्यमों का अनुपात 60 और 40 का है, लेकिन प्राइवेट सेक्टर का निवेश पिछले एक साल में बढ़ना तो दूर, 0.4 प्रतिशत कम हो गया है। विदेशी निवेश 8त्न नीचे आ गया है।

रोजगार पर असर- चीन की शहरी नौकरियों में 80 प्रतिशत निजी क्षेत्र से ही आती हैं। प्राइवेट सेक्टर में निवेश का न आना रोजगार पर बुरा असर डाल रहा है। इस सिलसिले की शुरुआत को सीधे तौर पर कोरोना की बंदी से ही जोड़ा जा सकता है, लेकिन इसमें कुछ भूमिका शी चिनफिंग की नीतियों की भी रही है। 2012 की पार्टी कांग्रेस में पार्टी महासचिव पद पर उनके चुनाव को भ्रष्टाचार, असमानता और चीनी अर्थव्यवस्था में विदेशी पूंजी के दबदबे के खिलाफ जनादेश की तरह प्रस्तुत किया गया था। इसी समझ पर चलते हुए उन्होंने एक रेलमंत्री, एक गवर्नर और एक के बाद एक, कुल दो रक्षा मंत्रियों को उनके पदों से बर्खास्त करके उन पर मुकदमा चलवाया और सख्त से सख्त सजाएं दिलाईं।

रियल एस्टेट संकट्- चीन के बौद्धिक उद्यमी के रूप में मशहूर जैक मा और उनके ऐंट ग्रुप पर पड़े चीनी हुकूमत के हथौड़े को भ्रष्टाचार के बजाय उनके 'अति-आत्मविश्वास' को दंडित करने की तरह पेश किया गया। विदेशी निवेश पर इसका बुरा प्रभाव पड़ा। एवरग्रैंड ग्रुप का डूबना चीन में रियल एस्टेट सेक्टर के संकट का बड़ा नमूना था। ऐसी कंपनियों और उन्हें कर्ज देने वाले बैंकों के दिवालिया होने का सिलसिला शुरू हुआ तो कुछ इलाकों में प्रदर्शन कर रहे घर खरीदारों के खिलाफ टैंक तक भेजने पड़ गए।

उल्टी पड़ी नीति- नए चीन के प्रतीक पुरुष तंग श्याओफिंग की घोषित नीति थी, 'बिल्ली जब तक चूहे पकड़ती है तब तक इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह काली है या सफेद।' तात्पर्य यह कि देश में समृद्धि आए, लोगों में खुशहाली की उम्मीद जगे तो इसकी ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए कि कौन से तरीके इसके लिए अपनाने पड़ रहे हैं। लेकिन इस नीति पर चलते हुए 2015 आते-आते हाल ऐसा हो गया कि दोहरी कमाई वाले एक शहरी मिडिल क्लास परिवार के लिए भी अपने अकेले बच्चे की अच्छी परवरिश, बढ़िया शिक्षा मुश्किल हो गई। ऐसे में सबसे सख्त कार्रवाई चीनी हुकूमत ने ऑफलाइन और ऑनलाइन कोचिंग इंडस्ट्री के खिलाफ की।

चिनफिंग को सीख- पश्चिमी मीडिया ने इसे एक तुगलकी कदम के रूप में पेश किया। थर्ड प्लेनम को लेकर वहां छप रही टिप्पणियों में यह बात बार-बार आ रही है कि शी चिनफिंग को आगे ऐसी हरकतों से बाज आने का कोई संकेत यहां जरूर देना चाहिए। इस बात को लेकर भी आक्रोश है कि अपने यहां रोजगारपरक क्षेत्रों में पूंजी लगाने और उपभोक्ता खर्चे बढ़ाने के बजाय चीन का सारा जोर तकनीकी के ऐसे क्षेत्रों में रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर है, जो सुदूर भविष्य में ही आम लोगों के काम आ सकेंगे।

भविष्य के सुराग- थर्ड प्लेनम में चर्चा के लिए प्रस्तुत परिपत्र में बातें तो सारी गोलमोल-सी ही हैं, लेकिन उसमें सन 2035 तक 'एडवांस्ड सोशलिस्ट इकॉनमी' हासिल करने के लक्ष्य को लेकर एक दृढ़ता भी है। तंग श्याओफिंग सन 2050 तक चीन में किसी तरह का लोकतांत्रिक समाज बना लेने की बात करते थे। इस तरह का कोई दिशा संकेत जब पार्टी कांग्रेसों में ही नहीं दिख रहा तो प्लेनम में क्या दिखेगा। लेकिन प्राइवेट सेक्टर और विदेशी पूंजी के लिए कानून और प्रशासन के स्तर पर आसानी पैदा करने के कुछ सुराग इसमें जरूर नजर आते हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वर्ग पहेली 5433

1	2	3		4	5		6
7				8		9	
10			11				
		12					13
14	15		16		17		
	18	19			20	21	
22				23			
	24				25		

संकेत: बाएं से दाएं
1. 31 अगस्त 1919 को इस महान कवियत्री, उपन्यासकार और निंबधकार ने जन्म लिया था (6)
6. अयोध्या के सूर्यवंशीय राजा का नाम जिनकी दूसरीरानी सुमति के गर्भ से 60 हजार पुत्र हुए थे (3)
8. दयालु, कृपालु, मेहरबान (4)
10. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ आरंभिक नाम)(2)
11. कामयाबी, सफल होने का भाव (4)
12. तत्पर, तैयार, उद्यत (3)
14. संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
16. परसों के पहले या आने वाले दिन में (3)
18. अवाम, पब्लिक, रिआया, रैयत (3)
20. धोखा देकर माल, असबाब लूटना (3)
22. मुस्मिल धर्म के मानने वालों का पवित्र ग्रंथ (3)
23. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)
24. घोर ध्वनि करना, बजाना (3)
25. वर के साथ कन्या पक्ष के यहां जाने वालों का समूह (3)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. गेर बराबरी, विषमता (5)
2. शिकार हेतु गमन, आखेट (3)
3. किसी धातु को पीट और खींचकर बनाया गया तंतु या डोर (2)
4. पक्षपाती, हिमायती (5)
5. यह भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म थी (3)
6. एक प्रश्नवाचक सर्वनाम (2)
9. मातृ, जन्म देने वाली स्त्री (2)
11. बराबरी, तुल्यता, समान होने का भाव (4)
13. 1918 में गणराज्य बने ऑट्रिया देश की यह राजधानी है (3)
15. भेंट,उपहार, सौगात (4)
17. सूखे अदरक, को यह भी कहते है (2)
19. जो रिश्तें में पति की बहन हो (3)
21. फूलों की घनी गुंथी छोटी माला जिसे प्रायः स्त्रियां बालों में संवारने के लिए लगाती है (3)

वर्ग पहेली 5432 का हल

स	ली	म		रा	म	बो	ला
ह	मा	म		ज	म	ना	
ना		ता	दा	द			सो
य	दि		मा		सं	को	च
क	वा	य	द		त	ह	
	लि			स		रा	न
आ	या	सा	व	न	झू	म	के
स्था		थी		म	ठ		ल

चिंताजनक- हर आठवां इंसान इस गंभीर स्वास्थ्य समस्या का शिकार, इससे हृदय रोगों का भी बढ़ जाता है जोखिम

(अभिलाष श्रीवास्तव)

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती क्रोनिक बीमारियों के लिए मोटापा या अधिक वजन की स्थिति को प्रमुख जोखिम कारक माना जाता है। दुर्भाग्यवश साल-दर-साल ये समस्या बढ़ती ही जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक हालिया रिपोर्ट परेशान करने वाली तस्वीर पेश करती है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक स्तर पर हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की श्रेणी में आता है।

विशेषज्ञों ने कहा, मोटापा सिर्फ एक कॉस्मेटिक चिंता नहीं है, यानी कि इससे सिर्फ शरीर की बनावट ही खराब नहीं होती है बल्कि इसे कई गंभीर और क्रोनिक बीमारियों का प्रमुख कारक भी माना जाता है।

डॉक्टर बताते हैं, जिन लोगों को मोटापे की समस्या है उनमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, जोड़ों के विकारों के साथ कुछ प्रकार के कैंसर का भी खतरा बढ़ जाता है। आंकड़े ये भी बताते हैं कि दुनिया की बड़ी आबादी अधिक वजन के कारण कई गंभीर बीमारियों के चपेट में है, जिससे संभावित रूप से जीवन की गुणवत्ता और जीवन प्रत्याशा में गिरावट आने का खतरा है।

हर उम्र में देखी जा रही है मोटापे की समस्या

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अनुमानित 25 मिलियन (2.5 करोड़) बच्चे मोटापाग्रस्त हो सकते हैं, जिससे भविष्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर भारी बोझ का खतरा बढ़ जाता है। यही कारण है कि डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों की शुरुआत होने की औसत आयु भी कम होती जा रही है। तेजी से बढ़ते हृदय रोग-हार्ट अटैक के ज्यादातर मामले भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से अधिक वजन से संबंधित माने जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मोटापे के कारण तीन बीमारियों के मामले सबसे ज्यादा देखे जा रहे हैं जिनके बारे में जानना और बचाव के प्रयास करते रहना सभी के लिए बहुत आवश्यक है।

बच्चों में मोटापे का खतरा

डब्ल्यूएचओं की रिपोर्ट के मुताबिक बचपन और किशोरावस्था में अधिक वजन होना कई तरह से स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। यह विभिन्न गैर-संचारी रोगों जैसे कि टाइप-2 डायबिटीज और हृदय रोग के जोखिम और इसके समय से पहले होने के खतरे को बढ़ाने वाली समस्या है।

बचपन और किशोरावस्था में मोटापे के प्रतिकूल साइकोसोशल परिणाम भी होते हैं, जिसमें स्कूल के प्रदर्शन और जीवन की गुणवत्ता से संबंधित समस्याएं, कलंक और भेदभाव की दिक्कत भी देखी जाती रही है। मोटापा के कारण 20 की उम्र तक बच्चों में हाई ब्लड प्रेशर का खतरा भी बढ़ जाता है जिससे हृदय रोगों का जोखिम हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष
आपको अपने परिवार के लोगों का सहयोग हर मामले में मिलेगा। आपको अपने बच?चों के करियर के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। आपको ऑफिस में किसी की तरफ से कोई बड़ी जिम्?मेदारी सौंपी जा सकती है और इसके लिए आप तैयार रहें।

वृषभ
आप अपने रूटीन काम पूरे करेंगे और ऑफिस में अपने प्रॉजेक?ट्स निपटाएंगे। आपको नए अनुबंधों के द्वारा लाभ हो सकता है और ऑफिस में आप कुछ नई योजनाओं पर भी काम शुरू कर सकते हैं। कारोबार में आपकी पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और आपकी साख भी बढ़ेगी।

मिथुन
किसी मूल?यवान वस?तु के खोने या फिर चोरी होने की आशंका है। आपको शिक्षा और प्रतियोगिता में जीतने का प्रयास करने पर मनचाही सफलता प्राप?त होगी और ऑफिस में कोई खुशी का समाचार भी मिल सकता है। मन में हर्ष होगा।

कर्क
आज उत?तम संपत्ति की प्राप्ति के संकेत मिल रहे हैं और दिन आपके लिए आनंद में बीतेगा। आपको करियर की तरफ से काफी सुखद समाचार मिलेगा और आपको सफलता प्राप?त होगी।

सिंह
आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे और भरपूर मात्रा में धन लाभ होगा। शिक्षा और प्रतियोगिता में आपको विशेष सफलता मिलेगी और भाग?य आपका साथ देगा। आज किसी अशुभ ग्रह के प्रभाव की वजह से आपको सामान?य दिनों की तुलना में काम अधिक करना पड़ेगा।

कन्या
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आज के दिन आपको अपने ऑफिस के असाइनमेंट में सकारात?मक परिणाम मिलने से आपको खुशी होगी और उत?साह बढ़ेगा। जो लोग नई नौकरी पाने के लिए काफी समय से प्रयास कर रहे थे उन?हें भी अच?छा रिजल?ट मिल सकता है।

तुला
आज सफलता के योग बन रहे हैं और आज आपके चारों ओर काफी खुशी का माहौल रहेगा। यहां तक कि आपस में कई दिनों से चली आ रही समस?या का समाधान निकलेगा। आपके हाथ में पर्याप?त मात्रा में धन हाथ में आ जाने से आपको खुशी होगी।

वृश्चिक
आज दिन शुरुआत से ही काफी अच?छा रहेगा। हर काम में आपके मन के अनुसार परिणाम मिलने से आपके उत?साह में वृ?द्धि होगी। दोपहर के बाद आपकी सेहत में गिरावट आ सकती है या फिर परिवार में कोई अचानक से बीमार पड़ सकता है।

धनु
आज दिन सफलता से भरा होगा और आपके काम को देखकर आपके विरोधी भी आपकी तारीफ करने लगेंगे। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। आपको कारोबार के मामले में भी अच?छा मुनाफा होगा। कहीं से रुके धन की प्राप्ति होने से आपकी कुछ रुकी योजनाएं फिर से आरंभ होंगी।

मकर
आज भाग?य साथ देगा और आपको आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। करियर में आप जो भी भी प्रयास कर रहे हैं उसमें आपको सफलता मिल सकती है। आपको अपने नीचे काम करने वाले लोगों से अच?छा फीडबैक मिलेगा और आपके प्रति उनके मन में सम?मान भी बढ़ेगा।

कुंभ
आज करियर के मामले में सावधानी से काम करने की सलाह है। आज किसी विवाद में फंसाकर ऑफिस में लोग आपको परेशान कर सकते हैं। आज आपको ऑफिस में कुछ लोगों की वजह से अपने काम को समय से पूरा करने में कठिनाई हो सकती है।

मीन
आज दिन सफलता से भरा होगा। आप अपने काम को समय से पूरा करके परिवार के साथ शाम का वक?त अच?छे से बिता पाएंगे। बहनोई और साले से किसी मामले में लेनदेन न करें, वरना आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्य पर खर्च हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

रॉयल्टी-जीएसटी के विवाद में नहीं छपी यूपी बोर्ड की किताबें, इंतजार कर रहे एक करोड़ बच्चे

लखनऊ, एजेंसी। रॉयल्टी और जीएसटी के विवाद में यूपी बोर्ड की किताबें नहीं छप सकी हैं। इसके चलते सत्र शुरू होने के साढ़े तीन महीने बाद भी यूपी बोर्ड से संबद्ध प्रदेश के 27 हजार से अधिक माध्यमिक स्कूलों के कक्षा नौ से 12 तक के एक करोड़ से अधिक छात्र-छात्राओं को सस्ती किताबें नहीं मिल सकी हैं। हर साल आमतौर पर जुलाई के पहले सप्ताह तक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) आधारित किताबें मिल जाती थीं। इस साल जुलाई का दूसरा सप्ताह बीतने के बावजूद किताबों का अता-पता नहीं है। एनसीईआरटी का 2021 की रॉयल्टी और जीएसटी का दो करोड़ से अधिक नहीं मिला है। प्रकाशकों ने हाईकोर्ट में याचिका कर दी है कि कोरोना काल में किताबें नहीं बिकने से उनका नुकसान हो गया, इसलिए रॉयल्टी और जीएसटी देने में असमर्थ हैं। यह मामला अब तक हाईकोर्ट में लंबित है। उधर, एनसीईआरटी ने साल 2021 की रॉयल्टी और जीएसटी नहीं मिलने पर इस साल किताबों के प्रकाशन का अधिकार ही नहीं दिया। किताबों के प्रकाशन का अधिकार देने के लिए यूपी बोर्ड से लेकर शासन के अधिकारियों ने कई बार केंद्र सरकार से पत्राचार किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। जानकारों की मानें तो आज की तारीख में भी प्रकाशन का अधिकार मिल जाए तो भी किताबें छपकर बाजार तक पहुंचने में कम से कम दो महीने का समय लग जाएगा। पहले किताबों के प्रकाशन के लिए टेंडर निकाला जाएगा और उसके बाद प्रकाशन और बाजार में उपलब्धता के लिए न्यूनतम दो महीने का समय देना होगा। 2024-25 सत्र में किताबों का प्रकाशन नहीं होने से बच्चे परेशान हैं। वैसे यूपी बोर्ड की वेबसाइट 222.ह्वश्चद्वह्यश्च.द्दश1.द्बठ्ठ पर किताबें उपलब्ध हैं और छात्र-छात्राएं चाहें तो नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। एनसीईआरटी की किताबें बाजार में नहीं आने पर निजी प्रकाशक मनमानी कर रहे हैं। कक्षा 12 की रसायन विज्ञान की दो किताबों की कीमत वैसे तो 38 रुपये है। लेकिन दोनों किताबों को एकसाथ छापकर निजी प्रकाशक बाजार में 1175 रुपये में बेच रहे हैं। इसी प्रकार 52 रुपये में मिलने वाली भौतिक विज्ञान की दो किताबें निजी प्रकाशक 1060 रुपये में बेच रहे हैं।

उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है धोखा करने वाले हिंदू नहीं : शंकराचार्य

मुंबई, एजेंसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सोमवार को उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री पहुंचे। इस दौरान उनका परंपरागत तरीके से स्वागत किया गया और ठाकरे फैमिली ने उनकी पादुकाओं की पूजा की। इस मुलाकात के बाद शंकराचार्य ने मीडिया से बात की और कहा कि उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है। उन्होंने कहा कि मैंने उद्धव ठाकरे को आशीर्वाद दिया है कि वह फिर से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजें। उन्होंने कहा कि हम सब लोग सनातन धर्म के पालन करने वाले हैं। हमारे यहां पुण्य और पाप की परिभाषा बताई गई है। गऊ घात एक बड़ा पाप है और उससे भी बड़ा घात विश्वासघात बताया गया है। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे जी के साथ विश्वासघात हुआ है। इस बात की पीड़ा बहुत से लोगों के मन में है। आज हम यहां उनके अनुरोध पर आए और उन्होंने स्वागत किया। उनसे हम सभी ने कहा कि जब तक आप महाराष्ट्र के सीएम पर पुन: विराजमान नहीं हो जाते हैं, तब तक हमारी पीड़ा दूर नहीं होगी। विश्वासघात करने वाला हिंदू नहीं हो सकता, लेकिन जो इसे सह ले वह हिंदू होगा। विश्वासघात करने वाला कैसे हिंदू हो सकता है। पूरे महाराष्ट्र की जनता इससे पीड़ित है और चुनाव में यह प्रमाणित भी हो चुका है। जनता यह मानती है कि उद्धव ठाकरे जी के साथ विश्वासघात हुआ है। बीच में सरकार को तोड़ देना अच्छी चीज नहीं है। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य ने कहा कि हमें राजनीति से लेना-देना नहीं है। लेकिन विश्वासघात को हमारे यहां पाप बताया गया है। यह बात कोई नेता नहीं बताएगा। वहीं दिल्ली में केदारनाथ जैसा मंदिर बनाए जाने पर शंकराचार्य ने कहा कि उसका प्रतिरूप नहीं बनाया जा सकता। द्वादश ज्योतिर्लिंग की बात कही गई है।

पीएम मोदी सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को करेंगे संबोधित

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर में न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करेंगे। महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस के कार्यालय द्वारा जारी प्रारंभिक कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई है। सोमवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार, पीएम मोदी का भाषण 26 सितंबर को दोपहर के सत्र में होगा। बाद में उसी सत्र में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और नेपाल के प्रधानमंत्री का भी संबोधन तय किया गया है। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष तथा अन्य वरिष्ठ नेता इस वार्षिक बैठक के लिए संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एकत्र होते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा को पीएम मोदी पांचवीं बार वहां उपस्थित होकर संबोधित करेंगे। इसके अलावा, 2020 में कोविड महामारी के दौरान उन्होंने उच्च स्तरीय बैठक को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया था। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद वह पहली बार संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय का दौरा करेंगे। पिछले साल जून में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर उन्होंने संयुक्त राष्ट्र का दौरा किया था।

कांवड़ यात्रा के लिए सहारनपुर में रूट प्लान तैयार

29 से रास्ते बंद, प्रतिबंधित होगा भारी वाहनों का प्रवेश

सहारनपुर, एजेंसी। कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां तेजी चल रही हैं। यूपी में सहारनपुर पुलिस ने कांवड़ यात्रा को लेकर रूट डायर्वजन प्लान तैयार कर लिया है। इसे 21 जुलाई से लागू किया जाएगा। डायवर्जन दो चरणों में लागू होगा। प्रथम चरण 21 जुलाई की रात से शुरू होगा। इसमें कांवड़ मार्ग पर भारी वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। इसके बाद 29 जुलाई से दूसरा चरण लागू किया जाएगा। इसमें हल्के वाहनों को भी कांवड़ मार्ग पर जाने से रोका जाएगा। यह डायवर्जन प्लान पूरे वेस्ट यूपी में एक साथ लागू किया जाएगा।

रूट डायवर्जन का पहला चरण : सभी भारी एवं मध्यम वाहनों को बाईपास से संचालित होकर चुन्हेटी कट से प्रवेश करते हुए हसनपुर चौक, दीवानी तिराहा, विश्वकर्मा चौक, आंबेडकर चौक, लिंक रोड होते हुए भेजा जाएगा। वहीं, ट्रांसपोर्ट नगर जाने वाले वाहन आंबेडकर चौक, लिंक रोड, भारत माता चौक होते हुए माहीपुरा चौक से निकलेंगे। जबकि सभी हल्के वाहनों को 22 जुलाई से 29 जुलाई तक मुख्य कांवड़ मार्ग के एक तरफ कांवड़िये एवं दूसरी ओर से हल्के वाहन जैसे बाइक, स्कूटी, ऑटो, ई-रिक्शा का आवागमन होगा।

रूट डायवर्जन का दूसरा चरण : सभी भारी एवं मध्यम वाहन शहर क्षेत्र में प्रतिबंधित रहेंगे। खाद्य पदार्थ ले जाने वाले वाहनों को सरसावा बाईपास, बैंगनी फाटक, चिलकाना होते हुए निकाला जाएगा। सभी प्रकार के हल्के वाहन कांवड़ रूट छोड़कर चलाए जाएंगे। वहीं, कांवड़ियों की संख्या को देखते हुए ही हल्के वाहनों को कांवड़ मार्ग को क्रास कराया जाएगा। इसके अलावा 29 जुलाई से चार अगस्त तक आंबेडकर चौक से कांवड़ मार्ग को क्रास कर सकेंगे।

इस तरह रहेगा रूट : सहारनपुर से भारी वाहन गाजियाबाद, दिल्ली जाने वाले वाहनों को नानौता, जलालाबाद, तीतरों, गंगोह से करनाल और सरसावा से यमुनानगर, करनाल, पानीपत, सोनीपत से निकाला जाएगा। इसी मार्ग से वापसी होगी। देवबंद से गाजियाबाद, दिल्ली जाने वाले भारी वाहन बड़गांव, नानौता, जलालाबाद, तीतरों, गंगोह, करनाल होकर निकलेंगे। सहारनपुर से दिल्ली, गाजियाबाद जाने वाली हल्के वाहन गागलहेड़ी, नागल, देवबंद, रोहाना कलां होकर चलेंगे। सहारनपुर से मुजफ्फरनगर की तरफ जाने हल्के वाहनों को सहारनपुर बाईपास से कोलकी कट, नागल, रोहाना कलां से रामपुर तिराहा होकर निकाला जाएगा। भारी वाहन इस मार्ग पर बंद रहेंगे। सहारनपुर से यमुनानगर, अंबाला जाने वाले वाहनों को देहरादून अंबाला हाईवे से सरसावा चौकी, शाहजहापुर से निकाला जाएगा। हल्के वाहन भी इसी मार्ग से निकलेंगे। सहारनपुर से हरिद्वार जाने वाले भारी वाहन 14 जुलाई से 21 जुलाई तक सहारनपुर बाईपास से गागलहेड़ी, छुटमलपुर, भगवानपुर, रुड़की, होकर जाएंगे। इसके बाद भारी वाहन 21 जुलाई से चार अगस्त तक सहारनपुर बाईपास से गागलहेड़ी, छुटमलपुर, चौकी मोहंड, आशारोड़ी चौकी, देहरादून, हरिद्वार निकलेंगे। इसी मार्ग से वापस होंगे। सहारनपुर से देहरादून जाने वाले भारी वाहन देहरादून-अंबाला हाईवे (सहारनपुर बाईपास) से गागलहेड़ी, छुटमलपुर, मोहंड चौकी, आशारोड़ी चौकी होकर देहरादून पहुंचेंगे। हल्के वाहन भी इसी मार्ग से संचालित होंगे। सहारनपुर से शामली की ओर जाने वाले भारी वाहन रामपुर मनिहारान, नानौता, जलालाबाद होकर जाएंगे। हल्के वाहन भी इसी मार्ग से चलेंगे।

बस स्टैंड की व्यवस्था : 22 जुलाई से चार अगस्त से देहरादून रोडवेज बस स्टैंड से हरिद्वार, देहरादून, मेरठ, दिल्ली जाने वाली बसें कांशीराम अस्थायी बस स्टैंड से संचालित होंगी, जिन्हें दिल्ली रोड से चुनहेटी कट से बाईपास होते हुए चलाया जाएगा। 22 जुलाई से चार अगस्त तक हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, गंगोह, नकुड़ जाने वाली रोडवेज बसें मानकमऊ बस स्टैंड से कुम्हारहेड़ा कट से बाईपास होते हुए संचालित होंगी। अंतिम चरण में ऐसे रहेगा डायवर्जन काली नदी से सरसावा बाईपास कांवड़ मार्ग है। यहां पर डाक कांवड़ सबसे अधिक गुजरती हैं, इसलिए सभी वाहनों को प्रतिबंध किया जाएगा। आटो, ई-रिक्शा, बाइक को भी बंद किया जाएगा। इनके जाने के लिए घंटाघर चौक, आंबेडकर चौक, दर्पण तिराहे वाले रास्ते खुल रहेंगे। नोडल अधिकारी कांवड़ यात्रा, एसपी ट्रैफिक, सिद्धार्थ वर्मा ने कहा कि कांवड़ यात्रा को लेकर सभी तैयारी पूरी की जा चुकी है। रूट डावर्जन प्लान तैयार किया गया है। दो चरणों में रूट डायवर्ट किया जाएगा। शहर में इसका सख्ती से पालन किया जाएगा।

अस्पताल की लिफ्ट में दो दिन तक फंसा रहा शख्स, तीन कर्मचारी सस्पेंड

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल में तिरुवनंतपुरम के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 59 वर्षीय व्यक्ति दो दिन तक लिफ्ट के भीतर फंसा रहा लेकिन लिफ्ट के संचालन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। जब लिफ्ट को सोमवार सुबह नियमित कामकाज के लिए चालू किया गया तब उसमें व्यक्ति के फंसे होने की जानकारी मिली। इसके बाद प्रशासन ने जिम्मेदार अधिकारियों की कथित चूक पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि उलूर निवासी रवींद्रन नायर शनिवार से यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज के ओपी ब्लॉक की लिफ्ट में फंसे हुए थे और जब लिफ्ट ऑपरेटर नियमित कामकाज के लिए लिफ्ट चालू करने आया तो उसने नायर को बाहर निकाला। नायर एक चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल पहुंचे थे। उन्हें विस्तृत चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया, ''वह पहली मंजिल पर जाने के लिए लिफ्ट में चढ़े थे लेकिन उन्होंने दावा किया कि लिफ्ट नीचे आ गई और खुली नहीं। उनका फोन भी बंद था। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं और इस संबंध में एक रिपोर्ट मांगी है। स्वास्थ्य विभाग ने इस घटना के संबंध में तीन स्टाफ सदस्यों - दो लिफ्ट ऑपरेटर तथा एक ड्यूटी सर्जेंट को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सोमवार सुबह सामने आयी जब लिफ्ट ऑपरेटर ने नियमित कामकाज के लिए लिफ्ट चालू की। पीड़ित व्यक्ति के परिवार ने रविवार रात को मेडिकल कॉलेज पुलिस में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। अस्पताल में मीडिया से बातचीत में नायर ने कहा कि लिफ्ट फंस गयी थी और वह अलार्म बजाते रहे लेकिन कोई भी उनकी मदद के लिए नहीं आया।

एसीबी ने आरएएस अधिकारी को 8 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यानी एसीबी ने आरएएस अधिकारी आकाश रंजन को 8 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जयपुर एसीबी की टीम ने यह कार्रवाई की है। एसीबी से जुड़े सूत्रों के अनुसार रिश्वत का यह मामला साल 2017 से चल रहा था।जिस पर आकाश रंजन के खिलाफ कोर्ट ने वारंट भी जारी किया था, लेकिन उसे गिरफ्तार नहीं किया जा सका था। अब आकाश रंजन को अलवर कोर्ट में पेश किया जाएगा। आकाश रंजन उस वक्त तहसीलदार के पद पर था, लेकिन अब वह एडिशनल कमिश्नर के पद पर जयपुर में कार्यरत है। मामले के मुताबिक वर्ष 2017 में तिजारा निवासी परिवादी चन्दर सिंह ने एसीबी चौकी अलवर में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें पिता की जमीन के वसीयतनामा के आधार पर इन्तकाल के मालमे में उस वक्त तहसीलदार तिजारा आकाश रंजन ने फैसला कराने की एवज में रिश्वत की मांग की थी। चन्दर सिंह ने 19 जुलाई 2017 को एसीबी चौकी अलवर में जाकर शिकायत की थी। जिसमें कहा गया था वसीयतनामा पर फैसले के लिए तहसीलदार तिजारा और उसके कार्यालय के सहायक कार्यालय अधीक्षक ने रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत की मांग का सत्यापन करवाया गया।

उत्तराखंड ने अपनी पहली बर्ड गैलरी खोली, गैलरी में राज्य के पक्षियों की उच्च-रिज़ॉल्यूशन तस्वीरें

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में अब एक नई आकर्षण का केंद्र बनकर उभरी है पहली बर्ड गैलरी, जिसे सोमवार, 15 जुलाई को देहरादून के जॉली ग्रांट स्थित प्रकृति शिक्षा केंद्र में खोला गया। यह अद्वितीय गैलरी उत्तराखंड वन विभाग की अनुसंधान शाखा की पहल है, जिसमें राज्य के विभिन्न पक्षियों की उच्च-रिज़ॉल्यूशन तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। यहां आगंतुक उत्तराखंड के जीवंत पक्षी संसार की अद्वितीय झलक पा सकते हैं।

उत्तराखंड का पक्षी संसार : एक नजर में : उत्तराखंड भारत में सबसे ज्यादा पक्षी प्रजातियों का घर है, जहां 710 से अधिक प्रजातियाँ पाई जाती हैं। यह आंकड़ा देश की कुल पक्षी प्रजातियों का 50 प्रतिशत से भी अधिक है। इस गैलरी का मुख्य उद्देश्य इन प्रजातियों के संरक्षण को बढ़ावा देना और इनके बारे में जागरूकता फैलाना है।

गैलरी का उद्घाटन और उद्देश्य : मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान) संजीव चतुर्वेदी, आईएफएस (द्धस्नस्) ने इस गैलरी का उद्घाटन करते हुए कहा, यह गैलरी उत्तराखंड की पक्षी विविधता को उजागर करने का प्रयास है। आगंतुकों को विभिन्न पक्षी प्रजातियों और पारिस्थितिकी तंत्र में उनके महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में शिक्षित करके, यह गैलरी पक्षियों के संरक्षण और उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य करेगी।

उत्तराखंड की वादियों में पाए जाने वाले कुछ प्रमुख पक्षियों में शामिल हैं : हिमालयन मोनाल : इसके इंद्रधनुषी पंख इसे अनोखा बनाते हैं और इसे 2000 में उत्तराखंड का राज्य पक्षी घोषित किया गया था। व्हाइट-कैप्ड रेडस्टार्ट : जो अक्सर धाराओं और नदियों के पास देखा जाता है। हिमालयन ग्रिफ़ॉन : यह गिद्ध उच्च-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाया जाता है। रूफस-बेलीड वुडपेकर : जंगलों में पाए जाने वाला एक जीवंत कठफोड़वा। ब्लैक-हेडेड जे : रंगीन और वाचाल पक्षी, जो आमतौर पर जंगली इलाकों में देखा जाता है। गैलरी में पक्षियों की तस्वीरें दस विशिष्ट वर्गों में विभाजित की गई हैं, जिनमें से प्रत्येक वर्ग विभिन्न प्रकार के पक्षियों का प्रतिनिधित्व करता है। इनमें शामिल हैं ज़मीन पर चरने वाले पक्षी, शिकारी पक्षी, कठफोड़वा, जल पक्षी, तीतर, प्रवासी पक्षी, वृक्षीय पक्षी, बुलबुल, किंगफ़िशर, और गिद्ध।

गैलरी में एक परिष्कृत ध्वनि प्रणाली भी है, जो विभिन्न पक्षियों की चहचहाहट की आवाजें बजाती है, जिससे वातावरण और भी यथार्थवादी और सक्रिय हो जाता है। इसके अलावा, यहां परित्यक्त पक्षी घोंसले और पंख भी प्रदर्शित किए गए हैं, जो उत्तराखंड वन अनुसंधान विंग की टीम द्वारा समय-समय पर एकत्र किए गए हैं। यह आगंतुकों को इन अद्वितीय प्रजातियों की विशेषताओं को करीब से देखने और समझने का अवसर प्रदान करता है। उत्तराखंड की यह पहली बर्ड गैलरी न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेगी, बल्कि पक्षी प्रेमियों और शोधकर्ताओं के लिए भी एक स्वर्ग साबित होगी। यह गैलरी पक्षियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और उनके महत्व को समझने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

बिना तलाक कर ली दूसरी शादी, अब पति-पत्नी को सुप्रीम कोर्ट से मिली अनोखी सजा

नईदिल्ली, एजेंसी। बिना तलाक दूसरी शादी करने के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक दंपती को 6-6 महीने जेल की सजा सुनाई है। हालांकि इस मामले को असाधारण बताते हुए आरोपियों को विशेष छूट दी गई है। सुप्रीम कोर्ट नेक कहा कि दंपती का छोटा बच्चा भी है, ऐसे में इन्हें अलग-अलग समय पर सजा काटने की छूट दी जाती है। कोर्ट ने कहा कि 6 साल के बच्चे की देखभाल भी जरूरी है इसलिए दोनों आरोपी बारी-बारी से सजा काट सकेंगे। एक आरोपी की सजा पूरी होने के बाद दूसरे को दो सप्ताह के भीतर सरेंडर करना होगा। जस्टिस सीटी रविकुमार और संजय कुमार ने कहा कि पति को पहले छह महीने की सजा काटनी होगी। इसके बात दो सप्ताह के अंदर महिला को सरेंडर करना होगा। ऐसे में माता-पिता के जेल में रहते हुए बच्चे को दिक्कत नहीं होगी। उसके पास मां-बाप में एस कोई एक मौजूद रहेगा। क्या है पूरा मामला दरअसल एक महिला ने दूसरी शादी कर ली थी इसके बावजूद वह पहले पति से गुजारा भत्ता ले रही थी। पहले पति ने सुप्रीम कोर्ट में मद्रास हाई कोर्ट के 2022 के फैसले को चुनौती दी थी। मद्रास हाई कोर्ट ने आरोपी

दंपती को दोषी ठहराया था लेकिन सजा केवल राइजिंग ऑफ द कोर्ट तक ही सुनाई थी। इसका मतलब है कि जितनी देर कोर्ट में मामले की सुनवाई चलती है, उतनी देर के लिए ही आरोपियों को सजा होती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अपराध के मुताबिक यह सजा पर्याप्त नहीं है। बेंच ने कहा कि द्विविवाह जैसे मामले एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आते हैं और इससे समाज पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में अगर हल्की सजा दी जाती है तो उससे भी समाज में गलत संदेश जाएगा। बेंच ने अपराध के अनुसार सजा को अपर्याप्त बताते हुए कहा कि सभ्य समाज का न्याय व्यवस्था में यकीन बनाए रखना बहुत जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि पीड़ित के अधिकार को भी ध्यान में रखना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि आईपीसी की धारा 494 के तहत ज्यादा से ज्यादा सात साल की सजा दी जा सकती थी। अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 82 के तहत सजा के प्रावधान को ध्यान में रखा जाएगा। कोर्ट ने कहा कि दूसरे पति से बच्चे को जन्म देने से पहले तक महिला पहले पति से निर्वाह राशि ले रही थी। इस बात के सबूत हैं कि दूसरी शादी करने के बाद भी पहले पति से महिला गुजारा भत्ता ले रही थी। वहीं वह दूसरे पति से गर्भवती भी हो गई।

प्रत्याशी से मॉक पोल करवाएगा चुनाव आयोग , डाले जाएंगे 1400 वोट

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि अगर प्रत्याशी चाहते हैं तो चुनाव के बाद भी उन्हें ईवीएम की वेरिफिकेशन का अधिकार है। लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग के पास ईवीएम वेरिफिकेशन के कुल आठ आवेदन आए हैं। जानकारी के मुताबिक चुनाव आयोग ईवीएम वेरिफिकेशन में मॉक पोल को भी शामिल करेगा जिसमें प्रत्याशी या उनका कोई प्रतिनिधि 1400 वोट डालेगा। इसके बाद देखा जाएगा कि ईवीएम सही काम कर रही है या नहीं।

बता दें कि 18वीं लोकसभा के चुनाव के बाद 8 प्रत्याशियों ने आवेदन किए हैं। नियम के मुताबिक केवल दूसरे या तीसरे नंबर पर आने वाले प्रत्याशी ही ईवीएम चेक करवा सकते हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक आध्र प्रदेश और ओडिशा विधानसभा चुनाव में शामिल तीन प्रत्याशियों ने भी ईवीएम वेरिफिकेशन के लिए आवेदन किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल में आदश दिया था कि जो भी प्रत्याशी दूसरे और तीसरे नंबर पर आते हैं उन्हें विधानसभा या लोकसभा क्षेत्र की 5 फीसदी मशीनों की मेमोरी या माइक्रोकंट्रोलर को वेरिफाइ करने का अधिकार है। इसके बाद 1 जून को चुनाव आयोग ने एसओपी जारी की और कहा कि परिणाम के सात दिनों के अंदर ही वेरिफिकेशन के लिए आवेदन करना होगा। उसके बाद आवेदन करने पर एक ईवीएम के हिसाब से 40 हजार रुपये का भुगतान करना होगा।

अभी तक बर्न्ट मेमोरी वेरिफिकेशन की टेक्निकल एसओपी फाइनल नहीं हो पाई है। रिपोर्ट के मुताबिक इस सप्ताह इसे जारी किया जा सका है। वहीं सूत्रों का कहना है कि चुनाव आयोग मॉक पोल की योजना बना रहा है। इससे ईवीएम की प्रामाणिकता की जांच हो जाएगी। ईवीएम पर वोट डालने के बाद वीवीपैट भी गिने जाएंगे। मॉक पोल के दौरान प्रत्याशी खुद या फिर कोई प्रतिनिधि वोट डाल सकता है। इसके बाद अगर प्रत्याशी चाहता है तो कंट्रोल यूनिट, बैलट यूनिट और वीवीपैट को जैसे चाहे अरेंज करवाकर देख सकता है।

बता दें कि कंट्रोल यूनिट का बटन दबाए बिना कोई भी वोटर वोट नहीं डाल सकता है। वहीं बैलट यूनिट में प्रत्याशियों के नाम होते हैं। वीवीपैट एक स्लिप प्रिंट करता है जिसमें जिस पार्टी को वोट दिया गया होता है, उसका निशान होता है। फिलहाल सबसे पहले बीयू को वीवीपैट से जोड़ा जाता है और वीवीपैट का कनेक्शन सीयू से किया जाता है। बता दें कि पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि सिंबल लोडिंग यूनिट (स्रु) को भी परिणाम के 45 दिन बाद तक सील रखा जाए।

सीबीआई ने छत्तीसगढ़ पीएससी भर्ती घोटाले में दर्ज की एफआईआर , राज्य में कई जगह छापेमारी

रायपुर, एजेंसी। सीबीआई ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) में हुए कथित घोटाले की जांच सोमवार को अपने हाथ में ले ली है। सीबीआई ने सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष और अन्य के खिलाफ भाई-भतीजावाद रैकेट के संबंध में एक एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि राज्य में कांग्रेस शासन के दौरान नेताओं, पीएससी अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों के परिवार के अयोग्य सदस्यों को आकर्षक सरकारी नौकरियों में भर्ती किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, पूर्व सचिव जीवन किशोर ध्रुव और एक परीक्षा नियंत्रक पर उनके बेटों, बेटियों, रिश्तेदारों और परिचितों को डिप्टी कलेक्टर, डिप्टी एसपी और ऐसे अन्य पदों पर भर्ती सुनिश्चित करने के लिए मेरिट लिस्ट में आगे बढ़ाने में मदद करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

सीबीआई ने रायपुर और भिलाई में की छापेमारी : आरोप है कि 2022 सीजीपीएससी परीक्षा में हेराफेरी हुई, जिसके परिणाम 11 मई 2023 को घोषित किए गए थे। सीबीआई ने सोमवार को रायपुर और भिलाई में सोनवानी, ध्रुव और अन्य के आवासीय परिसरों पर छापेमारी की।सीबीआई ने छत्तीसगढ़ सरकार के 16 फरवरी के एक संदर्भ पर जांच अपने हाथ में ली। सीबीआई प्रवक्ता ने बताया कि प्रक्रिया के अनुसार, एजेंसी ने एफआईआर फिर से दर्ज की, जिसकी जांच पहले राज्य पुलिस की आर्थिक

अपराध शाखा ने की थी। छत्तीसगढ़ में नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया था। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारियों और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं सहित प्रमुख नेताओं के परिवार के सदस्य भर्ती के मुख्य लाभार्थी थे। इसमें आरोप लगाया गया है इनमें बेटा नितेश और बहू निशा कोसले डिप्टी कलेक्टर, बड़े भाई का बेटा साहिल डिप्टी एसपी, बहू दीपा आदिल जिला आबकारी अधिकारी और बहन की बेटी सुनीता जोशी श्रम अधिकारी के पद पर नियुक्त हुए। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा, यह भी आरोप लगाया गया है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के तत्कालीन सचिव ने अपने बेटे (सुमित) को उप जिलधिकारी के पद पर चयनित कराया।'' सीबीआई की एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि मेरिट लिस्ट सूची में सीरियल नंबर 1- व्यक्तियों से जुड़े हैं। इसमें डिप्टी कलेक्टरों की लिस्ट दी गई है जिनमें- छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार के बेटे निखिल और बेटी नेहा, बस्तर नक्सल अभियान के डीआईजी पी.एल. कांग्रेस के एक नेता की बेटी अनन्या अग्रवाल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुधीर कटियार की बेटी भूमिका कटियार और दामाद शशांक गोयल, कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला की बेटी स्वर्णिम शुक्ला और कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के पुत्र राजेंद्र कुमार कौशिक शामिल हैं।

पेरिस ओलंपिकः

सात्विक-चिराग की जोड़ी को मिला आसान ड्रॉ

वरीयता के साथ पदक पर दांव लगाने उतरेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। पेरिस ओलंपिक के लिए बैडमिंटन के ड्रॉ कुछ दिन पहले निकले थे, लेकिन उसमें पुरुष डबल्स के ड्रॉ की घोषणा नहीं हुई थी। अब 26 जुलाई से शुरू हो रहे इन खेलों के लिए डबल्स वर्ग के ड्रॉ की घोषणा भी हो गई है और सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी को अनुकूल ड्रॉ मिला है। थॉमस कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी को तीसरी वरीयता मिली है।

सुनवाई के कारण पुरुष डबल्स के ड्रॉ हुए थे स्थगित

ड्रॉ में जोड़ियों की संख्या को लेकर खेल पंचाट (कैस) की सुनवाई के कारण शुक्रवार को पुरुष डबल्स ड्रॉ स्थगित कर दिया गया था। खेल की वैश्विक संचालन संस्था को ड्रॉ स्थगित करना पड़ा क्योंकि कैस ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को आदेश दिया कि कोर्वी और लेबर की जोड़ी को ओलंपिक खेलों में शामिल करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सिफारिश की जाए। फ्रांस की जोड़ी के शामिल होने से पुरुष ड्रॉ में शुरुआती 16 की जगह अब 17 जोड़ियां होंगी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ग्रुप-सी में

स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी को ग्रुप सी में रखा गया है जहां फजर अल्फियां और मोहम्मद रियान एरदियांतो की इंडोनेशिया की छठे नंबर की जोड़ी उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी होगी।

राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में मार्क लैम्सफस और मर्विन सीडल की जर्मनी की 31वें नंबर की जोड़ी और लुकास कोर्वी तथा रोनन लेबर की फ्रांस की दुनिया की 43वें नंबर की जोड़ी से भी भिड़ना है। ओलंपिक में बैडमिंटन स्पर्धाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी।

सिंधू-प्रणय को मिला था आसान ग्रुप

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय को आसान ग्रुप में जगह मिली थी। रियो खेलों में रजत पदक और उसके बाद टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को 10वीं वरीयता दी गई थी। वहीं, विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनिषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी को महिला डबल्स में मुश्किल ग्रुप सी में जगह मिली थी।

सीपीएल 2024 के लिए सभी टीमों ने किया अपने स्क्वाड का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 के लिए सभी छह टीमों ने अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट की शुरुआत 30 अगस्त से हो रही है। जहां कुल 34 मुकाबले खेले जाएंगे। इस दौरान ये छह टीमें सीपीएल के खिताब के लिए आपस में भिड़ेंगी। कैरेबियाई टूर्नामेंट की सभी छह टीमों ने रिटेंशन और प्री-सीजन साइनिंग के माध्यम से अपना ज्यादातर काम करने के बाद आगामी सीजन के लिए अपनी टीमों की पुष्टि की। जहां कई खिलाड़ियों को ड्राफ्ट के माध्यम से चुना गया है।

अमेरिका के स्टार खिलाड़ी को मिला मौका

Republic Bank CPL CARIBBEAN PREMIER LEAGUE

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में यूएसए के स्टार आरोन जोन्स के दमदार प्रदर्शन के कारण उन्हें कैरेबियन प्रीमियर लीग का कॉन्ट्रैक्ट मिला है, क्योंकि बल्लेबाज को सीपीएल 2024 ड्राफ्ट में सेंट लूसिया किंग्स ने साइन किया है। जोन्स ने बारबाडोस पासपोर्ट के साथ स्थानीय खिलाड़ी के रूप में 2021 के उपविजेता के लिए खेलेंगे। इस बार सभी टीमें काफी संतुलित नजर आ रही हैं। जिसके कारण कांटें की टक्कर होने की पूरी उम्मीद की जा सकती है। ऐसे में आइए सभी छह टीमों के पूरे स्क्वाड पर एक नजर डालें।

सीपीएल 2024 ड्राफ्ट के बाद सभी टीमों की पूरी लिस्ट

बारबाडोस रॉयल्स

रोवमैन पॉवेल, जेसन होल्डर , डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक , महेश थीक्षाना, एलिक अथानाज़े, नवीन-उल-हक, ओबेद मैकॉय, केविन विकम, केशव महाराज , कदीम एलेने, रहकीम कॉर्नवाल, इसाई थोर्न, नाथन सीली, नईम यंग, रिवाल्डो क्लार्क, रेमन सिमंड्स

गुयाना अमेजन वारियर्स

इमरान ताहिर , शिमरोन हेटमायर , सैम अयूब, शाई होप , रोमारियो शेफर्ड, आज़म खान , गुडाकेश मोटी, रहमानुल्लाह गुरबाज़, कीमो पॉल, ड्वेन प्रीटोरियस, केविन सिंक्लेयर, रेमन रीफ़र, रोनाल्डो अलीमोहम्मद, शमर जोसेफ, केवलन एंडरसन, मैथ्यू नंदू, जूनियर सिंक्लेयर

एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्स

इमाद वसीम, ब्रैंडन किंग, फैबियन एलन, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद आमिर , क्रिस ग्रीन, फखर जमान , रोशन प्राइमस, जस्टिन ग्रीव्स, हेडन वॉल्श, जाहमार हैमिल्टन, टेडी बिशप, कोफी जेम्स, शमर स्प्रिंगर, केल्विन पिटमैन, ज्वेल एंड्रयू, जोशुआ जेम्स

सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स

काइल मेयर्स, वनिन्दु हसरंगा, रिली रोसोउ, एविन लुईस , शेरफेन रदरफोर्ड, सिकंदर रजा, नुवान तुषारा, आंद्रे फ्लेचर, ट्रिस्टन स्टब्स, डोमिनिक ड्रेक्स, मिकाइल लुइस, ओडियन स्मिथ, जोशुआ दा सिल्वा, वीरासैमी परमाउल, रयान जॉन, एशमीड नेड, जोहान लेने

सेंट लूसिया किंग्स

हेनरिक क्लासेन , फाफ डु प्लेसिस , अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेस, नूर अहमद, डेविड विसे, भानुका राजपक्षे, मैथ्यू फोर्ड, आरोन जोन्स, खारी पियरे, खारी कैंपबेल, जोहान जेरेमिया, शैड्रैक डेसकार्टे, मिकेल गोविया, मैकेनी क्लार्क, अकीम ऑगस्टे

ट्रिनबागो नाइट राइडर्स

कीरोन पोलार्ड, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन , निकोलस पूरन, टिम डेविड, अकील होसेन, जेसन रॉय , ड्वेन ब्रावो , जोश लिटिल, वकार सलामखेल, जेडन सील्स, अली खान, मार्क डेयाल, कीसी कार्टी, टेरेंस हिंड्स, नाथन एडवर्ड, शकेरे पैरिस

चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने की वॉर्नर की पेशकश खारिज

- ऑस्ट्रेलिया बोर्ड ने कहा- उन्हें पूरी तरह रिटायर्ड मान लिया गया है

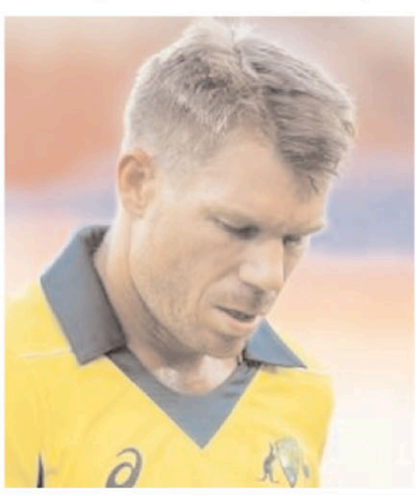

मेलबर्न, एजेंसी। डेविड वॉर्नर ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। पाकिस्तान में 2025 में होने वाली वनडे चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में डेविड वॉर्नर के नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। वॉर्नर ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा था कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बावजूद अगर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया चाहेगा तो वह पाकिस्तान में वनडे चैंपियंस ट्रॉफी में खेल सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के नेशनल सेलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि हमारा समझना यह है कि डेविड रिटायर हो चुके हैं और जिस तरह से उनका तीनों फॉर्मेट में करियर रहा है उसकी सराहना की जानी चाहिए। हमारी रणनीति यह है कि वह पाकिस्तान में नहीं होंगे।

वॉर्नर ने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद संन्यास ले लिया था: वॉर्नर ने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं उन्होंने जनवरी में कहा था कि पिछला साल वनडे विश्व कप जीतने के साथ ही उनका इस फॉर्मेट में करियर समाप्त हो गया है। वॉर्नर टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास का ऐलान पहले ही कर चुके थे।

वॉर्नर का योगदान काफी महत्वपूर्ण: जॉर्ज बेली ने वॉर्नर की वापसी के संबंध में कहा कि आप कभी नहीं बता सकते कि वे कब मजाक कर रहे हैं। उनका करियर शानदार रहा है, जिसका जश्न मनाना मुश्किल है। मेरे ख्याल से जैसे-जैसे समय बीतेगा, वैसे-वैसे हम ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में उनके योगदान पर विचार करते रहेंगे। वो एक महान खिलाड़ी हैं और उनकी विरासत यूं ही आगे बढ़ती रहेगी। जहां तक इस टीम की बात है, यहां कुछ नए और उभरते हुए खिलाड़ी सामने आएंगे। तीनों फॉर्मेट में यह बदलाव का सफर रोमांचक रहने वाला है।

वॉर्नर 3 बार वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा: वॉर्नर 3 बार वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रहे हैं, इसमें 2015 और 2023 का वनडे वर्ल्ड कप और 2021 का टी-20 वर्ल्ड कप शामिल है। वॉर्नर 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी रहे।

स्विट्जरलैंड के

स्टार जेरदान ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के स्टार खिलाड़ी जेरदान शकीरी ने सोमवार को यूरो 2024 की समाप्ति के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। अपने 14 साल के लंबे सफर को खत्म करने की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। 32 वर्षीय खिलाड़ी को हाल ही में जर्मनी में संपन्न हुए यूरो 2024 के लिए स्विस टीम में चुना गया था। रोसोक्रोसियाटी ने टूर्नामेंट में औसत प्रदर्शन किया और टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल राउंड में अपनी यात्रा समाप्त की।

यूरो 2024 में जेरदान का प्रदर्शन

क्लब फुटबॉल में उन्होंने बेसल, बायर्न म्यूनिख, इंटर मिलान, स्टोक सिटी, लिवरपूल और ल्योन के लिए खेला है। वर्तमान में वह शिकागो फायर एफसी के साथ मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में खेल रहे हैं। स्विटजरलैंड ने यूरो 2024 के राउंड ऑफ 16 में इटली को 2-0 से हराया। हालांकि, वे पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से दुखद हार के बाद क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड से हार गए। यूरो 2024 में शकीरी ने स्कॉटलैंड के खिलाफ सिर्फ एक गोल किया, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की करने में मदद मिली।

सोशल मीडिया के जरिए की संन्यास की घोषणा

शकीरी ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने कहा कि 14 साल की यात्रा के बाद राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का उनका समय आ गया है। शकीरी ने लिखा, सात टूर्नामेंट, कई गोल, स्विस राष्ट्रीय टीम के साथ 14 साल और अविस्मरणीय क्षण। राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने का समय आ गया है। शानदार यादें बनी हुई हैं और मैं आप सभी से कहता हूं। धन्यवाद।

Sri Lanka Cricket

श्रीलंका में जुलाई में होगा आईसीसी का वार्षिक सम्मेलन

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका 19 से 22 जुलाई तक कोलंबो में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह पहली बार होगा जब आईसीसी का वार्षिक आयोजन एशियाई क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट ने अपने बयान में कहा कि दुनिया भर के 108 आईसीसी सदस्य देशों के 220 से अधिक प्रतिनिधि इस महत्वपूर्ण वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि यह सम्मेलन क्रिकेट प्रशासकों और दुनिया भर के हितधारकों का एक शिखर सम्मेलन है। आईसीसी का वार्षिक सम्मेलन खेल की रणनीतिक दिशा, प्रशासन और दुनिया भर में क्रिकेट के विकास पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करता है। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी सम्मेलन की थीम ओिलंपिक अवसर को भुनाना होगा, जहां विविधता और समावेश, पर्यावरणीय स्थिरता और खेल और लॉस एंजिल्स 2028 में क्रिकेट की वापसी जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

लीजेंड क्रिकेट चैंपियन जीतने के बाद फंस गए युवराज, रैना और भज्जी... पुलिस कर रही है जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 3 पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ दिल्ली के अमर कॉलोनी थाने में शिकायत दर्ज किया गया है। दर्ज शिकायत में एक एनजीओ की ओर से पूर्व भारतीय खिलाड़ी हरभजन सिंह, युवराज सिंह और सुरेश रैना पर दिव्यांगों का मजाक उड़ाने और अपमान करने का आरोप लगाया गया है।

लीजेंड क्रिकेट चैंपियन में दर्ज की थी जीत

हाल ही में इंग्लैंड में समाप्त हुई लीजेंड क्रिकेट चैंपियन में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। इसके बाद हरभजन ने इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वह तीनों दिव्यांग की तरह चल रहे हैं। इस पर दिल्ली में दिव्यांग के लिए काम करने वाले एक एनजीओ ने तीनों क्रिकेटरों के खिलाफ अमर कॉलोनी थाना पुलिस को शिकायत दी है। एनजीओ ने शिकायत में आरोप लगाया कि वीडियो में तीनों खिलाड़ी दिव्यांग लोगों का अपमान करते नजर आ रहे हैं, इसलिए तीनों के खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

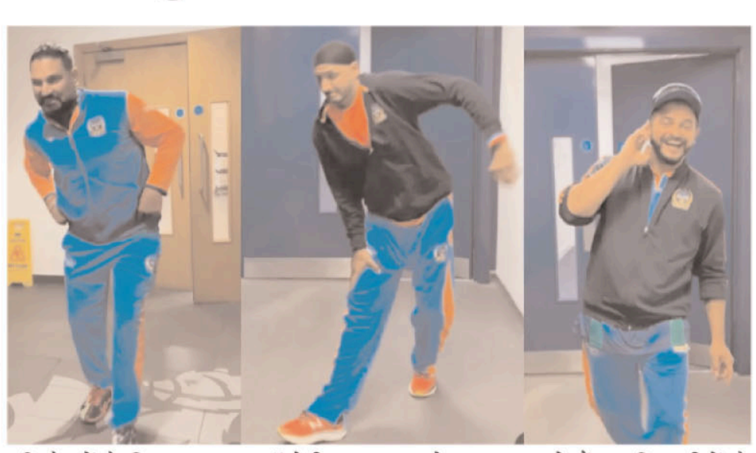

पेरिस ओलिंपिक

ओलिंपिक के लिए ये कैसी तैयारी !

भारत के टेबल टेनिस टीम में खिलाड़ियों से ज्यादा सपोर्टिंग स्टाफ

नई दिल्ली, एजेंसी। जर्मनी के सारब्रकेन में पेरिस ओलिंपिक की तैयारियों में जुटी भारतीय टेबल टेनिस टीम में खिलाड़ियों से ज्यादा संख्या सहयोगी स्टाफ की है। ओलिंपिक से पहले तीसरी बार भारत के मुख्य कोच के तौर पर लौटे इटली के मास्सिमो कोंस्टेंटिनी के साथ नेशनल कोच के तौर पर पूर्व खिलाड़ी सौरव चक्रवर्ती हैं। इसके अलावा सरकार ने टीम के साथ जाने के लिए चार निजी कोचों को मंजूरी दी है चूंकि महिला टीम की तीनों सदस्य निजी कोच ले जाना चाहती हैं। नौ सदस्यीय सहयोगी स्टाफ में दो मालिशिये और एक फिजियो भी हैं जबकि छह खिलाड़ी (तीन महिला और तीन पुरूष) टीम में हैं। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ अपने निजी कोच लेकर जाएंगी। तीन सदस्यीय पुरूष टीम में भारत के ध्वजवाहक अचंता शरत कमल के साथ उनके कोच क्रिस पेइफेर होंगे। हरमीत देसाई ओर मानव ठक्कर भी टीम में हैं।

शौहरत, कप्तानी मिलने से बहुत बदल गए विराट कोहली: अमित मिश्रा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा ने एक इंटरव्यू पर विराट कोहली पर हैरानीजनक खुलासे किंग हैं जोकि भारतीय स्टार के फैंस को अच्छे नहीं लगेंगे। मिश्रा का कहना है कि प्रसिद्धि, शक्ति और कप्तानी हासिल करने के बाद पूर्व भारतीय कप्तान के व्यवहार में काफी बदलाव आया।

2015 और 2017 के बीच कोहली के नेतृत्व में खेलने वाले मिश्रा ने कोहली और वर्तमान भारत के कप्तान रोहित शर्मा के बीच एक अंतर पर बात की थी। मिश्रा ने कहा कि विराट कोहली प्रसिद्धि, शक्ति और कप्तानी पाने के बाद बहुत बदल गए। जब आप ताकतवर हो जाते हैं तो आप यह सोचने लगते हैं कि हर कोई स्वार्थ के लिए आपसे बात करना चाहता है। लेकिन मैं ऐसा नहीं हूं. विराट और रोहित का स्वभाव अलग-अलग है। अमित मिश्रा ने रोहित शर्मा के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते के बारे में विस्तार से बताया और इसे आनंदमय और मैत्रीपूर्ण बताया, जो क्रिकेट में रोहित के शुरुआती दिनों की याद दिलाता है। मिश्रा ने कहा कि मैं आपको रोहित के बारे में सबसे अच्छी बात बताऊंगा।

जब मैं उससे पहले दिन मिला था और आज जब मैं उससे मिला, तो वह वही व्यक्ति है। तो, क्या आप उससे अधिक संबंध रखेंगे या किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जो स्थिति के अनुसार बदलता है? अनुभवी स्पिनर ने कहा कि नेतृत्व की भूमिका संभालने के बाद विराट कोहली के व्यवहार में आए बदलाव के कारण भारतीय टीम में उनके दोस्त कम रह गए थे। कोहली की यह धारणा कि दूसरे लोग उनके साथ स्वार्थी उद्देश्यों से बातचीत करते हैं, ने एक बाधा पैदा कर दी है, जिससे वह अपने कई साथियों से दूर हो गए हैं।

इससे पहले, भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी उल्लेख किया था कि उनका विराट कोहली के साथ वैसा रिश्ता नहीं है जैसा कि कोहली के सुपरस्टार बनने से पहले था।

लंबित प्रकरणों का निराकरण समयावधि में सुनिश्चित करें

कलेक्टर ने टीएल बैठक में दिए निर्देश

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने कहा है कि अधिकारी-कर्मचारी जवाबदेही के साथ आम जनता के हित में संचालित विभागीय कार्यक्रमों व गतिविधियों का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का पात्र हितग्राहियों तक समय सीमा में लाभ पहुंचाएं। विभागवार लंबित टीएल, जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का भी एक सप्ताह में अनिवार्यत: निराकरण करने की कार्यवाही की जाए।

कलेक्टर श्री कुमार ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक टीएल बैठक के दौरान अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही बैठक में पूर्ण तैयारी व जानकारी के साथ उपस्थित रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार आयोजित विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित कर जनप्रतिनिधियों के पत्रों पर भी समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैठक के

दौरान जिला खेल अधिकारी को विभिन्न खेल स्टेडियम के लिए भूमि आवंटन के संबंध में शासन की गाइडलाइन अनुसार परीक्षण कर कार्यवाही के निर्देश दिए।

उन्होंने गेहूं व मसूर एवं सरसों उपार्जन के मद्देनजर वांछित जानकारी लेकर किसानों को फसल उपार्जन का शत प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही शासकीय दायित्व निर्वहन के संबंध में ग्राम पंचायत स्तरीय कर्मचारियों पर नियंत्रण, अनुपयोगी बोरवेल को ढंकने की कार्यवाही, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की पूर्व की शिकायतों के निराकरण, केन-बेतवा लिंक परियोजना व निर्माणाधीन रेलवे लाइन के मुआवजा वितरण इत्यादि के संबंध में जरूरी चर्चा की। इस दौरान पन्ना-सतना रेल खंड अंतर्गत निर्माणाधीन रेल लाइन कार्य के निर्बाध रूप से संचालन के उद्देश्य से कैम्प लगाकर अवार्ड एवं पूरक अवार्ड की राशि वितरण कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त स्कूल शिक्षा विभाग के छात्रवृत्ति प्रकरणों के तहत शेष 22 प्रतिशत पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण के लिए डाटा अपडेशन सहित जाति प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड व अन्य वांछित दस्तावेजों में आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति वितरण के मामले में अन्य जिलों की अपेक्षा पन्ना जिले की प्रगति कम है। इसलिए अविलंब आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इसी तरह नवीन स्वीकृत चार सीएम राइज स्कूल भवन के जमीन चिन्हांकन व ऑनलाइन जमीन आवंटन की कार्यवाही के संबंध में जरूरी समन्वय तथा स्कूलों की जमीन से अतिक्रमण हटाने और शाला निरीक्षण के लिए पर्यवेक्षण अधिकारियों की तैनाती के संबंध में भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि भूमिधारक किसान परिवार की समग्र भूमि ई-केवायसी कार्य में प्रगति लाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान की अद्यतन स्थिति संबंधी रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। पौधरोपण महाअभियान में पौधा रोपने के उपरांत अनिवार्य रूप से एप पर फोटो अपलोड करने, होमगार्ड द्वारा वर्षा राहत एवं बचाव की तैयारी, खाद, बीज की उपलब्धता व कृषि बोवनी संबंधी अद्यतन जानकारी, वर्षा ऋतु के मद्देनजर संक्रामक रोगों से बचाव की तैयारी, वर्षाकाल में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता तथा परियोजनाओं के लिए वन भूमि के हस्तांतरण इत्यादि के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त नागरिकों को लोक सेवा गारंटी अधिनियम की सेवाओं के समय सीमा में प्रदाय तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के आधार बेस्ड ई-केवायसी अविलंब पूर्ण कराने, संबल 2.0 में पंजीयन और दस अथवा अधिक कर्मचारियों वाले शासकीय-निजी संस्थाओं में आंतरिक परिवाद समिति के गठन इत्यादि के संबंध में भी निर्देश दिए गए।

क्षेत्र के युवा-बेरोजगारों ने रोजगार न देने को लेकर जे.के. सीमेंट कंम्पनी के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए तहसीलदार को सौपा ज्ञापन

पन्ना। पन्ना जिले के अमानगंज तहसील अन्तर्गत हरदुआ केन में संचालित जेके सीमेंट कंपनी द्वारा बाहरी लोगो को रोजगार दे रही है तथा स्थानीय बेरोजगार बंचित है। जिससे क्षेत्र के हजारो युवा, बेरोजगार महानगरो के लिए पलायन करने के लिए मजबूर है। जबकी मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लगातार ढिढोरा पीटा जा रहा है कि स्थानीय स्तर पर जो भी संस्थान लगेगें उक्त संस्थानो में स्थानीय लोगो को ही सत्तर प्रतिशत से अधिक रोजगार दिया जायेगा। लेकिन सरकार की उक्त घोषणा का कोई पालन नही हो रहा है। और न ही जिला प्रशासन तथा स्थानीय जन प्रतिनिधि इस दिशा मे कोई कदम उठा रहें है। उक्त मामले को लेकर अमानगंज तहसील के सैकडों युवाओं ने प्रदर्शन करते हुए तहसीलदार के नाम ज्ञापन सौपा है तथा उक्त ज्ञापन में उल्लेख किया है कि जेके सीमेंट कंपनी द्वारा जमीन खरीदी के समय कंपनी द्वारा कहा गया था कि स्थानीय लोगो को रोजगार दिया जायेगा तथा जिन किसानो की जमीने अधिग्रहित की गई है। उनके परिवार वालो तथा

बच्चो को रोजगार देगें। लेकिन कंपनी द्वारा उसके बाद इस दिशा मे कोई कदम नही उठाया तथा बाहरी लोगो को भरकर कार्य कराया जा रहा है जिससे क्षेत्रे के युवा बेरोजगार काम की तलाश में घूम रहें है तथा परेशान है। इसी मुद्दे को लेकर युवाओं द्वारा प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौपा है। ज्ञापन देने वालो में मनोज तिवारी, लवकुश यादव, रविन्द्र कुशवाहा, लाखन सिट राजपुत, प्रजेन्द्र कुशवाह, इन्द्रभान सिंह सिंगरोल, राजदीप गोस्वामी, भूपेन्द्र सिंह, लाखन सिंह राजपूत, बृजेन्द्र कुशवाहा, सत्यम रावत, अरविन्द कुमार गर्ग सहित सैकडो की संख्या में युवा शामिल रहें।

गुरु पूर्णिमा की तैयारी को लेकर 18 जुलाई को बैठक आयोजित

पन्ना। अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रमुख ट्रस्टी फूल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 21 जुलाई को गुरू पूर्णीमा भव्य रूप से स्थानीय गायत्री मंदिर बेनी सागर पन्ना में मनाई जायेगी। जिसकी तैयारीयों को लेकर 18 जुलाई 2024 को दो बजे से गायत्री मंदिर शक्ति पीठ मे बैठक का आयोजन किया गया है।

जिला पंचायत कार्यालय के सामने गड्ढा बना जानलेवा, कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना

पन्ना। वर्तमान समय मे नगर के अनेक स्थानो पर सडक के बीचो बीच भारी गड्ढे हो गयें है। जो आने जाने वाले वाहनो तथा राहगीरो के लिए जानलेवा साबित हो सकते है। इसी प्रकार जिला पंचायत कार्यालय के सामने बनें गड्ढे से आये दिन दुर्घटनाए हो रही है। जबकी यह प्रमुण सडक मार्ग है तथा यह मार्ग कलेक्टर कार्यालय, जिला न्यायालय सहित प्रमुख स्थानो के लिए जाता है। एवं इसी मार्ग से प्रतिदिन जिले के कलेक्टर सहित सभी वरिष्ट अधिकारीयों का आना जाना है। उसके बावजूद उक्त गड्ढे में सुधार कार्य नही कराया जा रहा है। स्थानीय समाजसेवी साहित्यकार लक्ष्मीनारायण चिरोलया ने जिले के वरिष्ट अधिकारीयो से तत्काल गड्ढे में सुधार कार्य कराये जाने की मांग की है। जिससे कोई बड़ी दुर्घटना घटित न हो।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में सहभागिता के संबंध में प्रतिभागियों के लिए निर्देश

पन्ना। शासन के निर्देशानुसार पन्ना जिले में भी वर्षाकाल में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण के लिए पौधरोपण महाअभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत एक पेड़ मां के नाम की थीम पर भी पौधे रोपने का अभियान शुरू किया गया है। इसमें आम नागरिक शामिल होकर प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं। प्रतिभागियों को वायुदूत एप पर पंजीयन कर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा।

पौधे रोपने के उपरांत एप पर फोटो अपलोड करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। सर्वप्रथम गूगल प्ले स्टोर या एप्पल स्टोर से वायुदूत (अंकुर) एप को डाउनलोड कर हिन्दी या अंग्रेजी भाषा का चयन करना होगा। इसके उपरांत नागरिक लॉगइन पर क्लिक कर एवं मोबाइल नंबर दर्ज कर लॉगइन कर सकते हैं। पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर सत्यापन करने के उपरांत प्रतिभागी को पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण करना होगी। इसी तरह सत्यापन उपरांत नया वृक्षारोपण पर क्लिक कर उपलब्ध सूची में से पौधों की प्रजाति का चयन करना होगा। रोपित पौधे की प्रजाति उपलब्ध न होने पर अदर्स ऑप्शन पर क्लिक कर रोपित की जाने वाली प्रजाति के पौधे का नाम अंकित कर सकते हैं। इसके बाद रोपित पौधों की संख्या और फोटोग्राफ एप के माध्यम से अपलोड करना होगा।

वृक्षारोपण स्थल की जानकारी देने के लिए प्लांटेशन साइट इनफॉरमेशन लिखकर रोपित वृक्ष की फोटोग्राफ पुन: देखने और 30 दिवस के बाद दूसरा फोटोग्राफ अपलोड करने के लिए वृक्षारोपण प्रगति पर क्लिक करें। एप के जरिए प्रतिभागी पौधे की दूसरी फोटो अपलोड कर सहभागिता प्रमाण पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आम नागरिक एक पेड़ मां के नाम अभियान के बारे में अधिक जानकारी के लिए एक पेड़ मां के नाम (प्लांट4मदर) पर क्लिक कर सकते हैं। सभी प्रतिभागियों को वायुदूत एप से ही पौधरोपण की फोटोग्राफ खींच कर अपलोड करना अनिवार्य है। इसके अलावा मोबाइल नेटवर्क न होने की स्थिति में भी ऑफलाइन मोड में एप के माध्यम से फोटाग्राफ अपलोड कर सकेंगे। मोबाइल पर नेटवर्क आने पर फोटोग्राफ स्वत: ही एप पर अपलोड हो जाएंगे। ऑफलाइन अवस्था में एप पर फोटो अपलोड करने के लिए पूर्व से एप पर लॉगिन रहना आवश्यक होगा।

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष 17 जुलाई को युवा सम्मेलन में भाग लेंगे

पन्ना। मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मीतेन्द्र दर्शन सिंह यादव का पन्ना जिले का पहला दौरा है, वह 17 जुलाई को दोपह 12 बजें पन्ना पंहुचेगें। उक्त संबंध में जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र अवस्थी ने बताया की स्थानीय एवर साईन गार्डन में युवा सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न होगा तथा बेरोजगारी, नीट सहित पेपर लीक, एवं भ्रष्टाचार के विरोध में जिला स्तरीय सम्मेलन किया जा रहा है तथा भाजपा की भ्रष्ट सरकार को लेकर घेरा जायेगा तथा स्थानीय मुद्दो पर भी शासन प्रशसान के विरोध में युवक कांग्रेस का सम्मेलन आयोजित किया गया है।

ग्राम पंचायत जनवार में भारी भ्रष्टाचार

दबंग चला रहे पंचायत, दलित सरपंच का फायदा उठा रहे सचिव, उपयंत्री

पन्ना। पन्ना जिले में अनेक ग्राम पंचायतो का संचालन दबंगो द्वारा किया जा रहा है तथा उनके साथ सचिव एवं उपयंत्री तथा रोजगार सहायक भी शामिल रहता है। दलित एवं अशिक्षित सरपंच का फायदा उठाते है तथा सीधे साधे अनपढ़ सरपंच के हस्ताक्षर कराकर शासकीय कार्यो में व्याप्क स्तर पर फर्जीवाडा करके शासकीय राशि को हडप रहें है। इसी प्रकार का मामला पन्ना जनपद पंचायत अन्तर्गत जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत जनवार का प्रकाश मे आया है। जहां पर दलित सरपंच निर्वाचित हुआ है, लेकिन पंचायत का संचालन जनवार ग्राम का ही एक दबंग यादव कर रहा है। जो सरपंच के

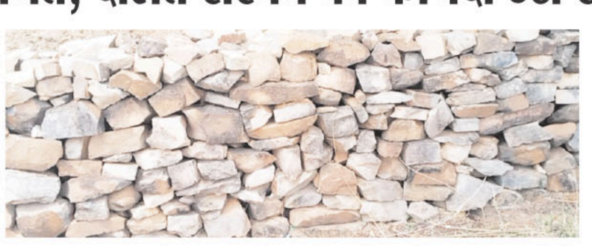

हस्ताक्षर कराकर सारे काम स्वंय करके शासकीय राशि में फर्जीवाड़ा कर रहा है। उक्त फर्जीवाडा में सचिव उपयंत्री तथा रोजगार सहायक शामिल है। ग्राम पंचायत क्षेत्र में अभी तक अनेक निर्माण कार्य के नाम पर राशि आहरित की गई है। लेकिन मौके पर उक्त कार्य ही नही है। मशीनो से कार्य कराकर फर्जी मस्टर मजदूरो के नाम डालकर भुगतान दिखाया जा रहा है। ग्राम पंचायत अन्तर्गत चरणहार की नरिया में वन विभाग की खखरी के पत्थरो से जगह जगह पर बोल्डर चेक डेम बनाये गये। जिनका कोई ओचित्य नही है क्योकि बोल्डर चेक डेम पानी रोकने के लिए बनाये जातें है। जिससे संबंधित क्षेत्र का जल स्तर बना रहें लेकिन जिस प्रकार से बोल्डर चेक डेम बनाये गये है। वह ओचित्यहीन है उनमें किसी प्रकार पानी को नही रोका जा सकता है। इसी प्रकार ताउरहार जनवार में अम्रत सरोवर तालाब का निर्माण किया गया। जिसमें सिर्फ औपचारिकता पूरी की गई है। मटेरियल के नाम पर हार्ड मुरूम दर्शाकर लाखो की राशि निकाल ली गई तथा फर्जी बिल बाउचर लगाकर व्याप्क भ्रष्टाचार किया गया है। वृक्षा रोपण एवं जाली, तार, खरीदी के नाम पर भी लाखो रूपये की राशि खर्च की गई है। गौ शाला निर्माण में चालीस लाख की राशि खर्च की गई, जबकी उक्त गौशाला में गाये भी नही है। गोवंश इधर उधर भठक रहा है, सीसी रोड निर्माण, परकूलेशन टैंक, की राशि मे भी फर्जीवाडा किया गया है। मजरा छापर में खेल कूंद मैदान, अमृत वाटिका के नाम पर राशि आहरित की गई।

आयुष मलेरिया रोग नियंत्रण कार्यक्रम

प्रभावित ग्रामों में खिलाई जाएगी दवा

पन्ना

आयुष संचालनालय के निर्देशानुसार मलेरिया को फैलने से रोकने के लिए होम्योपैथी औषधि मलेरिया ऑफ-200 का चिन्हित मलेरिया प्रभावित ग्रामों में रहने वाले प्रत्येक परिवार के प्रत्येक सदस्य को सेवन कराया जाएगा। प्रथम चरण में औषधि की खुराक 18 जुलाई, 25 जुलाई एवं 01 अगस्त को दी जाएगी। इसी तरह द्वितीय चरण में 22 एवं 29 अगस्त व 5 सितम्बर को एक-एक खुराक की 6-6 गोलियां खिलाई जाएंगी। आयुष मलेरिया रोग नियंत्रण कार्यक्रम का क्रियान्वयन मलेरिया विभाग से प्राप्त प्रभावित हाई रिस्क ग्रामों में ही आंगनबाड़ी व आशा कार्यकर्ता द्वारा दवा वितरण कर किया जाएगा।

इस संबंध में जिला कलेक्टर द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी और जिला मलेरिया अधिकारी को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही औषधि वितरण कार्य के लिए बीएमओ और परियोजना अधिकारियों को कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से अपने स्तर पर आवश्यक कार्यवाही के लिए भी निर्देशित किया गया है। अजयगढ़ विकासखण्ड में 11 ग्राम एवं अजयगढ़ के तीन वार्ड, अमानगंज में 03 ग्राम, पवई में 05 ग्राम और देवेन्द्रनगर में 02 ग्राम के प्रत्येक परिवार के प्रत्येक सदस्य को खुराक का सेवन कराया जाएगा।

अब आँगनवाडी केन्द्रों में सहायिकाओ के माध्यम से नास्ता एवं गर्म पका भोजन किया जायेगा प्रदान

स्व:सहायता समूहो की व्यवस्था खत्म

पन्ना। जिले के आगनवाडी केन्द्रो मे अध्ययनरत बच्चो के लिए अभी तक शासन की व्यवस्था के अनुसार स्थानीय स्तर पर स्व:सहायता समूहो द्वारा नास्ता एवं भोजन दिया जाता था। उक्त व्यवस्था को संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में समाप्त कर दिया गया है तथा अब बच्चो के लिए आंगनवाडी केन्दो की सहायिकाओ को ही भोजन एवं नास्ता देने की जिम्मेवारी दी गई है। ज्ञात हो कि समूहो द्वारा लगातार बच्चो को पोषण आहार देने मे लापरवाही बरती जाती थी। जिसके चलते यह व्यवस्था की गई है। जहां एक ओर उक्त व्यवस्था से प्रदेश के लाखो स्व:सहायता समूह बंद हो जायेगें वहीं दूसरी ओर उक्त समूहो में भोजन पकाने वाले लाखो रसोईया महिलाए बेरोजगार हो जायेगी। फिलहाल शासन द्वारा जो निर्णय लिया गया है। उसके पीछे क्या कारण है, यह भविष्य के गर्त में है।

जिले में अब तक 252 मिमी औसत वर्षा दर्ज

पन्ना। पन्ना जिले में इस वर्ष 01 जून से 15 जुलाई तक 252 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। गत वर्ष उक्त अवधि में 278.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की औसत वर्षा 1176.4 मिमी है।

अधीक्षक भू अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार अब तक वर्षामापी केन्द्र सिमरिया में सर्वाधिक 310.8 मिमी और शाहनगर में सबसे कम 160.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि पन्ना में 280 मिमी, देवेन्द्रनगर में 184.5 मिमी, गुनौर में 248.6 मिमी, अमानगंज में 264.4 मिमी, पवई में 307 मिमी, रैपुरा में 302.2 मिमी और अजयगढ़ में 209.8 मिमी कुल वर्षा दर्ज की गई है।

संयुक्त पंजीयक ने कहा आखिर दो पर ही आपराधिक मामला क्यो, सभी दोषियों पर की जाये कार्यवाही

सहकारी बैंक घोटाला में एक दर्जन कर्मचारी है शामिल, करोड़ो का किया गया फर्जीवाड़ा

पन्ना। सहकारी बैंक के बीजेएल एकाउण्ट घोटाला इस समय पूरे प्रदेश में चर्चाओं में हैं। अभी तक नाममात्र के खातों की जांच से लगभग 1 करोड़ 85 लाख का घोटाला उजागर हुआ है और जांच की औपचारिकता पूरी कर कई बैंक कर्मियों एवं जिम्मेदार अधिकारियों को बचाने का पूरा प्रयास किया गया है। जिसका खुलासा स्वत: संभागीय संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएं सागर द्वारा पत्र क्रमांक 1152 दिनांक 5 जुलाई 2024 को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक पन्ना को सम्बोधित पत्र में स्वमेव हो जाता है। भेजे गये पत्र में मुख्य रूप से जेआर सागर द्वारा मात्र दो बैंक कर्मियों पर कार्यवाही करते हुये शेष जिम्मेदार बैंक कर्मियों को बचाने तथा मुख्य आरोपी पुष्पेंद्र सिंह समेत नाते रिस्तेदारों के खातों की वर्ष 2013 से जांच न किये जाने पर आपत्ति जताई है। साथ ही निर्देश दिया है कि वर्ष 2013 से बैंक के

समस्त खातों की विस्तृत जांच कर दोषी एवं जिम्मेदार बैंक कर्मियों/ अधिकारियों पर भी कार्यवाही की जाये। जेआर सागर द्वारा भेजे गये बिंदूवार जांच प्रतिवेदन में उठाई गई आपत्तियों में उल्लेख किया गया है कि इमरत कुमारी के खाते मे गई गबन की राशि 1 करोड़ 34 लाख में अंजली असाटी एवं महेश पटेल पर कार्यवाही क्यों नहीं की गई है। जाँच प्रतिवेदन के बिन्दु क्र. 1 के परीक्षण करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि श्रीमती इमरत कुमारी, जो मुख्यालय पन्ना में पदस्थ पुष्पेन्द्र सिंह की माँ हैं, उनके बचत खाता क्र. 664002066855 में बैंक के बी.जी.एल. खाता क्रमांक 91947000111, खाता क्रमांक 95060000117, खाता क्रमांक 93663000040 एवं खाता क्रमांक 93663000062 को नामे कर इमरत कुमारी के बचत खाते में 1,34,53,998.00 की राशि ट्रांसफर कर गबन किया गया। इसमें मेकर आई.डी. 306 पुष्पेन्द्र सिंह लिपिक लेखा कक्ष की उपयोग हुई है, जबकि चेकर आई.डी. 282 सुश्री अंजली असाटी लेखापाल, 285 आई.डी. राजेश कोरी लेखापाल एवं 233 आई.डी. महेश प्रसाद पटेल तत्कालीन शाखा प्रबंधक अमानगंज की उपयोग हुई है। इसमें से केवल पुष्पेन्द्र सिंह एवं राजेश कोरी के विरुद्ध कार्यवाही की गई है, शेष दोनों के विरुद्ध कार्यवाही क्यों नहीं की गई ? आई.डी. को सुरक्षित रखना व्यक्तिगत जवाबदारी है। आई.डी. के दुरूपयोग से कोई हानि होती है, तो अपनी जवाबदारी से बचा नहीं जा सकता है। 16 लाख 20 हजार की गबन की राशि में भी अंजली असाटी की आईडी का उपयोग हुआ है। बिन्दु क्र. 2 खाता क्र. 91947000111 सहकारी बैंक के मुख्यालय में लेखाकक्ष में संधारित सण्ड्री क्रेडिटर्स खाता है, जिसका उपयोग कर्मचारियों के एलआईसी, जीएसएलआई एवं बैंक को प्राप्त विविध प्राप्ति मे जो इस खाते में जमा की जाती हैं, इस खाते से इमरत कुमारी के सी.सी.बी. खाता क्रमांक 664002066855 में 16,20,900.00 रूपया प्रेषित किये गये। इसमें मेकर में आई.डी. क्र. 306 पुष्पेन्द्र सिंह लिपिक एवं आई.डी. क्र. 282 सुश्री अंजली असाटी का उपयोग हुआ है। उक्त राशि के लिए उक्त दोनों जवाबदार हैं, फिर केवल पुष्पेन्द्र सिंह लिपिक पर कार्यवाही क्यों की गई? 29 लाख के घोटाले में सिर्फ पुष्पेंद्र सिंह एवं राजेश कोरी पर मात्र क्यों हुई कार्यवाही:- बिन्दु क्र. 3 विभिन्न दिनाँकों पर इमरत कुमारी के बड़ा बाजार खाता क्र. 664002066855 से राशि नेफ्ट के माध्यम से पुष्पेन्द्र सिंह के स्टेट बैंक के खाता क्र. 32074014519 में हस्तांतरित की गई। इसी बिन्दु में उल्लेखित है कि यू.पी.आई. एवं अन्य स्त्रोतों से जो राशि क्रेडिट की है, उसका परीक्षण अभी नहीं किया गया। इस मद में 29,59,100.00 की राशि का गबन बी.जी.एल. सेण्ड्री क्रेडिटर्स एवं एम.ए.एस. खाते में किया जाना दर्शाया गया है।

गाइड प्रशिक्षण के प्रथम सत्र का प्रारंभ

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व अंतर्गत इस वर्ष भी पर्यटन सीजन शुरू होने के पूर्व तीन दिवसीय गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दो सत्रों में किया गया है। आज प्रथम सत्र की शुरूआत कर्णावती कॉन्फ्रेंस हाल में की गई। इसमें पर्यटन गेट मड़ला, हिनौता, झिन्ना बफर, अकोला, रनेहफॉल और पाण्डव फॉल के 65 गाइड शामिल हुए। शेष गाइड प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में 18 से 20 जुलाई तक शामिल होंगे। यह प्रशिक्षण रिसोर्स पर्सन के रूप में भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी सुहास कुमार, आर. श्रीनिवास मूर्ति सहित उप संचालक पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी रजनीश सिंह, सुशील चिकने, प्रवर मौर्य, अभिनव पाण्डेय, संदीप चौकसे, डॉ. विजय यादव और विवेक वर्मा द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर

सीधी, बुधवार 17 जुलाई 2024

यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान लक्ष्मणपुर-सगरा में विश्व कौशल दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 50 से अधिक पौधे लगाये गये।

प्रत्येक गांव में बी-1 का वाचन अनिवार्यः कमिश्नर

30 जून तक पारित आदेश शत-प्रतिशत अमल दरामद कराएं

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने गूगल मीट से आयोजित बैठक में राजस्व अधिकारियों को राजस्व महाअभियान के संबंध में निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि राजस्व महाअभियान 31 अगस्त तक चलाया जाएगा। अभियान के लिए सभी कलेक्टर रणनीति तैयार कर लें। प्रत्येक गांव में बी-1 का वाचन अनिवार्य रूप से कराएं। बी-1 के वाचन के समय राजस्व निरीक्षक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। अभियान के संबंध में सभी एसडीएम बैठक लेकर शासन के निर्देशों को पटवारियों को अवगत कराएं। अभियान के दौरान कलेक्टर, अपर कलेक्टर तथा एसडीएम राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। निरीक्षण के दौरान अभियान के लिए निर्धारित सभी बिन्दुओं पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। राजस्व महाअभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करें।

प्रत्येक गांव में दीवार लेखन के माध्यम से शिविर की तिथियों की जानकारी दें। सभी जनप्रतिनिधियों को भी अभियान की पूरी जानकारी दें।

कमिश्नर ने कहा कि रीवा और शहडोल संभाग के सभी जिलों में नक्शा तरमीम के प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। जो प्रकरण 30 जून तक निराकृत हो गए हैं उनका अभियान के दौरान अमल दरामद कराएं। सभी राजस्व प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल में अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। कलेक्टर, एसडीएम तथा तहसीलदारों से प्रकरणों के शत-प्रतिशत दर्ज होने का प्रमाण पत्र लें। अभियान के दौरान निरीक्षण में इसका सत्यापन करें। यदि किसी न्यायालय में कोई प्रकरण बिना दर्ज किए हुए पाया जाता है तो संबंधित पीठासीन अधिकारी के ऊपर कार्यवाही करें। राजस्व प्रकरणों के निराकरण की जो समय सीमा तय की गई है उसमें ही प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। संभाग में बंटवारे के भी बड़ी संख्या में प्रकरण लंबित हैं। पक्षकारों को समझाइश देकर बंटवारे के प्रकरण निराकृत करें। नक्शा तरमीम तथा खसरे में सुधार के प्रकरण प्राथमिकता के साथ निराकृत करें।

कमिश्नर ने कहा कि नक्शा तरमीम के प्रकरणों में जिनमें कम खातेदार हैं उनके प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें। किसान सम्मान निधि के आवेदनों में ई केवाईसी तथा अन्य कमियाँ भी अभियान के दौरान दूर कराएं। अभियान के दौरान लगाए जाने वाले शिविरों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के संबंध में समस्त जानकारियाँ दर्ज कराएं। स्वामित्व योजना के पात्र हितग्राहियों का चयन करके 15 अगस्त तक शत-प्रतिशत भू अधिकार पत्र वितरित कराएं। राजस्व अभियान की नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। सभी कलेक्टर निर्धारित प्रपत्र में जानकारी दर्ज कर प्रतिदिन प्रस्तुत करें। कमिश्नर ने अधिकारियों को त्यौहारों के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में मनरेगा अथवा अन्य योजना से शांति धाम निर्माण के निर्देश दिए। गूगल मीट में कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि राजस्व महाअभियान में बी-1 के वाचन के लिए ग्रामवार कार्यक्रम तैयार कर लिया गया है। अभियान के दौरान अधीनस्थ सभी न्यायालयों का निरीक्षण किया जाएगा। स्वामित्व योजना में जिन गांवों का ड्रोन सर्वे हो चुका है उनके हितग्राहियों को भू अधिकार पत्र प्रदान किए जाएंगे। कलेक्टर सतना अनुराग वर्मा ने बताया कि नक्शा तरमीम के प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत किए जाएंगे। अभियान के दौरान पटवारी घर-घर जाकर राजस्व के मामले दर्ज करेंगे। कलेक्टर सिंगरौली चन्द्रशेखर शुक्ला ने बताया कि अभियान का ग्रामवार कार्यक्रम तैयार कर लिया गया है। सभी राजस्व न्यायालयों का एक सप्ताह में निरीक्षण कर लिया जाएगा। प्रथम राजस्व अभियान में जिन बिन्दुओं पर जिले का प्रदर्शन कमजोर था वहाँ विशेष ध्यान दिया जाएगा। अभियान के दौरान सभी राजस्व अधिकारियों का मूल्यांकन करके उनकी रैंकिंग की जाएगी। गूगल मीट में कलेक्टर मऊगंज, मैहर, सीधी, शहडोल, अनूपपुर, एडीएम उमरिया तथा अन्य राजस्व अधिकारी शामिल हुए।

जिले में उपलब्ध है 15164 टन यूरिया तथा 5867 टन डीएपी

रीवा। आगामी खरीफ फसल के लिए सहकारी समितियों तथा निजी विक्रेताओं के माध्यम से किसानों को खाद की आपूर्ति की जा रही है। सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने इस संबंध में बताया कि जिले में वर्तमान में 15164.41 टन यूरिया तथा 5867.80 टन डीएपी उपलब्ध है। इसके साथ-साथ 3827.25 टन एनपीके, 41.15 टन एमओपी तथा 5249.50 टन सिंगल सुपर फास्फेट भण्डारित है। अब तक किसानों को 9789.33 टन यूरिया, 6899.63 टन डीएपी, 807.75 टन एनपीके, 12.95 टन एमओपी तथा 1888.68 टन सिंगल सुपर फास्फेट का वितरण किया जा चुका है। किसानों ने गत माह पर्याप्त मात्रा में खाद का अग्रिम उठाव किया। जिले में खाद की नियमित आपूर्ति की जा रही है। आगामी एक माह तक जिले को नियमित रूप से खाद के रैक प्राप्त होंगे। खरीफ फसल में कुल 58 हजार 500 टन खाद के उपयोग का अनुमान है।

जन सुनवाई में 66 आवेदन पत्रों में की गई सुनवाई

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जन सुनवाई में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने आमजनता से मिले 66 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। संयुक्त कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी जन सुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आमजनता से प्राप्त आवेदनों का निराकरण करें। जन सुनवाई में रणबीर यादव निवासी गड़रगवां ने जमीन के सीमांकन के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने एसडीएम त्योंथर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। ऊषा मिश्रा निवासी वार्ड क्रमांक 12 रीवा ने नाली निर्माण के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने प्रभारी अधिकारी निर्माण शाखा नगर निगम को नाली निर्माण कराने के निर्देश दिए। सुग्रीव पाल निवासी मझगवां ने सीमांकन तथा नक्शा सुधार के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने एसडीएम त्योंथर को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए। धीरजलाल विश्वकर्मा निवासी रीवा ने शंकरलाल यादव निवासी करहिया के जाति प्रमाण पत्र की जाँच के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने एसडीएम हुजूर को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए। सरोज शुक्ला निवासी क्योटी ने उनके शहीद पिता उमेश शुक्ला की बीमा की राशि, आर्थिक सहायता तथा परिवार के सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ देने के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने प्रभारी अधिकारी स्थापना शाखा को आवेदन में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सहायक कलेक्टर प्रपंज आर तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तकनीकी शिक्षा का ज्ञान होना वर्तमान समय की आवश्यकता

रीवा। हर साल 15 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व युवा कौशल दिवस दुनिया भर में युवाओं के विकास और कौशल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उक्त विचार जन शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष लिखित मिश्रा ने गुढ़ में आयोजित विश्व युवा कौशल दिवस कार्यक्रम में युवाओं के बीच में कहा। उन्होंने कहा कि यह दिन युवाओं को रोजगार सहानुभूति और स्थाई व्यवहार के लिए आवश्यक कौशल और योग्यता से लेस करने की आवश्यकता पर जोर देता है। यह नवाचार उत्पादन और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने मैं कौशल विकास की भूमिका पर जोर देता है जिसमें वैश्विक् विकास लक्ष्य की प्राप्ति में योगदान मिलता है।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक सुनील शुक्ला ने युवाओं को स्कूली शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में तकनीकी शिक्षा का ज्ञान होना आवश्यक है।

दिव्यांगजन को भर्ती का अवसर, आवेदन अब 29 जुलाई तक

रीवा। संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग के निर्देशों के अनुसार उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कार्यालय रीवा में विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांगजन लोकोमोटर डिसेवेल्टी भृत्य पद पर भर्ती का अवसर दिया जा रहा है। शासन द्वारा स्वीकृत एक पद के लिए पात्र दिव्यांगजन 29 जुलाई 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कार्यालय से आवेदन पत्र का प्रारूप एवं अन्य विवरण प्राप्त किया जा सकता है।

गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा करें

रीवा। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने नगर निगम क्षेत्र रीवा में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि तकनीकी अधिकारी निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करें। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। गुणवत्ता में किसी भी तरह की कमी पाए जाने पर कठोर कार्यवाही के लिए तैयार रहें। शहर के निर्माण कार्यों को निर्धारित की गई समय सीमा में पूरा कराएं। शहर में सीवर लाइन के निर्माण के लिए क्षतिग्रस्त सड़कों का तत्काल सुधार कराएं। सीवर लाइन निर्माण के लिए मार्च 2025 की समय सीमा तय की गई है। अभी 367 किलोमीटर सीवर लाइन निर्माण में केवल 115 किलोमीटर का कार्य पूरा हुआ है। हर माह की प्रगति का लक्ष्य तय करके उसके अनुरूप कार्य पूरा कराएं। सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के कार्य भी तेजी से पूरे करें। आयुक्त नगर निगम अजगरहा के प्रस्तावित एसटीपी के लिए एक सप्ताह में जमीन का चिन्हांकन कराएं। बिछिया, विवेकानंद नगर तथा एजी कालेज के निर्माणाधीन एसटीपी का काम भी तेजी से पूरा कराएं।

कमिश्नर ने कहा कि अमृत-2 योजना के तहत 12 बड़ी टंकियों तथा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का काम जारी है। इन टंकियों में ग्रिड सिस्टम बनाएं। आयुक्त नगर निगम निर्माण कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा करें। कमिश्नर ने कहा कि कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण सभी स्वीकृत कार्य तत्काल स्वीकृत कराएं। मेडिकल कालेज के आवासीय परिसर की प्रगति भी संतोषजनक नहीं है। आवासीय भवनों का निर्माण निर्धारित मापदण्डों के अनुसार कराएं। सिविल लाइन में स्वीकृत एफ टाईप आवासों का निर्माण पूर्व से निर्मित बहुमंजिला आवासों के समीप कराएं। कार्यपालन यंत्री सेतु निर्माण सिरमौर चौराहा से सुभाष चौक के फ्लाई ओवर का निर्माण 15 अगस्त तक अनिवार्य रूप से पूरा करा दें। बैठक में प्रभारी आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे ने बताया कि अमृत-2 योजना से शहर के दो बड़े तालाबों में सुधार का कार्य किया जा रहा है। कायाकल्प योजना से 22 सड़कों का निर्माण स्वीकृत किया गया था। इनमें से 12.62 किलोमीटर बीटी रोड तथा 9.12 किलोमीटर सीसी रोड का निर्माण पूरा किया जा चुका है। तीन सड़कों का निर्माण सीवर लाइन का कार्य पूरा होने के बाद शुरू किया जाएगा। बैठक में मुख्य अभियंता लोक निर्माण संजय खांडे, मुख्य अभियंता पीआईयू जेएस बघेल, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन पीके सिंह, कार्यपालन यंत्री सेतु वसीम खान, कार्यपालन यंत्री नगर निगम राजेश सिंह तथा एचके त्रिपाठी, उपायुक्त डीएस सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तीजा की फांतेहा बड़ी दरगाह रीवा मे 19 जुलाई को

रीवा। इंतजामिया कमेटी के तत्वधान में एक बैठक बड़ीदरगाह रीवा में सम्पन्न हुई, बैठक की अध्यक्षता हाजी मोहम्मद इकवाल अध्यक्ष इंतजामिया कमेटी ने की। बैठक में इमामवाड़ा कर्वला शरीफ में तीजे की फांतेहा को लेकर चर्चा की गई। बैठक को मोहर्रम का त्योहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाये जाने का निर्णय लिया। मोहर्रम का त्योहार 17 जुलाई को सम्पन्न होने के पश्चात् उसके तीजे की फांतेहा 19 जुलाई दिन शुक्रवार को इमामबाड़ा कर्वला शरीफ बड़ीदरगाह में सम्पन्न होगी।

सुरक्षा गार्ड भर्ती के लिए जनपद पंचायत रीवा में रोजगार मेले का आयोजन आज

रीवा। एसआईएस द्वारा जिले के सभी जनपद मुख्यालयों में सुरक्षा गार्ड भर्ती के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। सुरक्षा कर्मी, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं सुरक्षा अधिकारी के पद हेतु इच्छुक बेरोजगार युवकों को प्रशिक्षण के उपरांत संस्था द्वारा स्थाई रोजगार से जोड़ा जायेगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. सौरभ सोनवणे ने बताया कि जनपद पंचायत रीवा में 17 जुलाई को सुरक्षा गार्ड भर्ती के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। रोजगार मेले में 19 वर्ष से 40 वर्ष आयु के 10वीं कक्षा पास/फेल 167.5 सेंटीमीटर ऊंचाई के युवा शामिल हो सकते हैं। संस्था द्वारा 350 रूपये पंजीयन शुल्क जमा करने तथा चयनित होने के पश्चात प्रशिक्षण का व्यय 10 हजार रूपये प्रशिक्षण केन्द्र सिंगरौली पर स्वयं करना होगा।

आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक 18 जुलाई को

रीवा। कृषि विभाग के तहत संचालित आत्मा परियोजना की गवर्निंग बोर्ड की बैठक 18 जुलाई को सुबह 11.30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल करेंगी। बैठक में आत्मा परियोजना के तहत किए गए कार्यों तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए विकासखण्डवार निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा की जाएगी। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने गवर्निंग बोर्ड के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में मनाया गया विश्व कौशल दिवस, किया गया वृक्षारोपण

रीवा। यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान लक्ष्मणपुर-सगरा में विश्व कौशल दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 50 से अधिक पौधे लगाये गये।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बिरजा प्रसाद दास अंचल प्रमुख ने सिलाई प्रशिक्षण का भी शुभारंभ किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने वृक्षों का जीवन और पर्यावरण के लिए महत्व बताते हुए कौशल विकास का भी महत्व बताया साथ ही प्रशिक्षार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में अजय खरे क्षेत्र प्रमुख यूनियन बैंक ने ग्लोबल वार्मिंग में वृक्षारोपण के महत्व को बढ़ावा देने की बात कही तथा कहा कि एक वृक्ष लगाना दस पुत्र के समान है। आरसेटी संस्थान के निर्देशक एम.जे. राव ने संस्थान की अब तक की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला एवं कार्यक्रम के अंत में सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सौरभ पहाड़िया, अमित सिन्हा, जगमोहन एल.डी.एम, रिषभ श्रीवास्तव, हेमन्त मिश्रा एवं आरसेटी का स्टाफ उपस्थित रहा।

एमएसएमई औद्योगिक इकाईयों को प्रोत्साहन राशि का भुगतान केन्द्रीयकृत ऑनलाईन प्रणाली से होगाः मंत्री काश्यप

प्रोत्साहन राशि के बजट में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी, 490 से 699 करोड़ हुआ बजट

रीवा। एमएसएमई श्रेणी की औद्योगिक इकाईयों को प्रोत्साहन राशि वितरण की वर्तमान प्रचलित प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सरलीकृत बनाने के उद्देश्य से समस्त भुगतान केन्द्रीयकृत ऑनलाईन भुगतान /वितरण प्रणाली के माध्यम से उद्योग संचालनालय स्तर पर किये जाने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि एमएसएमई मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने उक्त आशय के निर्देश दिए थे। एमएसएमई प्रोत्साहन व्यवसाय निवेश संबर्धन सुविधा प्रदाय योजना में वर्ष 2023-24 में 490 करोड़ का बजट प्रावधान था, जिसे बढ़ाकर वर्ष 2024-25 में 699.20 करोड़ रूपये किया गया है। बजट में विगत वित्त वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की गई हैं। मध्यम श्रेणी की इकाईयों के लिये पहली बार राशि रूपये 100 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया हैं। मध्यप्रदेश में एमएसएमई श्रेणी की इकाईयों के प्रोत्साहन के लिये मध्यप्रदेश एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2021 लागू हैं, जिसमें सूक्ष्म लघु श्रेणी की इकाईयों के लिए 40 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है। इसी प्रकार मध्यम श्रेणी की इकाईयों के लिए 40 प्रतिशत तक एवं मध्यम श्रेणी की खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों को मूल सहायता का डेढ़ गुना तक प्रोत्साहन राशि एवं अन्य सुविधायें दिये जाने का प्रावधान हैं। पूर्व में सूक्ष्म एवं लघु श्रेणी की इकाईयों के लिए प्रोत्साहन राशि का भुगतान जिला स्तर से किया जाता था, जिससे इकाईयों को प्रोत्साहन राशि वितरण/भुगतान प्रक्रिया जटिल थी एवं विलम्ब होता था। अब सरलीकरण एवं पारदर्शिता के लिए एमएसएमई मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप द्वारा निर्देश दिये गए जिसके अनुक्रम में एमएसएमई श्रेणी की औद्योगिक इकाईयों को प्रोत्साहन राशि वितरण की वर्तमान प्रचलित प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सरलीकृत बनाने के उद्देश्य से उक्त समस्त भुगतान केन्द्रीयकृत ऑनलाईन भुगतान/वितरण प्रणाली के माध्यम से उद्योग संचालनालय स्तर पर किये जाने का निर्णय लिया गया है। सुचारू संचालन के लिये वित्त विभाग द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग को पृथक से पी.डी. अकाउण्ट स्वीकृत किया गया हैं।

ग्रामोद्योग को रोजगारोन्मुखी शिक्षा से जोड़ने के विशेष प्रयास जारी

प्रदेश में 17 हजार 597 हाथकरघों पर हो रहा साड़ियों व अन्य वस्त्रों का उत्पादन

रीवा। प्रदेश में हाथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्र में रोजगार के नये अवसरों के सृजन के लिये नवाचार किये जा रहे हैं। ग्राम उत्थान एवं स्व-रोजगार सृजन के लिये ग्रामीण उद्योगों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। राज्य सरकार परम्परागत ग्रामोद्योगों के संरक्षण, कल्याण एवं समग्र विकास के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये लगातार प्रयास कर रही है।

प्रदेश में कुटीर एवं ग्रामोद्योगों के विकास के लिए हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय द्वारा विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। बुनकरों एवं शिल्पियों को प्राचीन उत्कृष्ट बुनाई एवं शिल्पकला की सुप्रसिद्ध परम्परा को समृद्ध बनाने, हाथकरघा बुनकरों एवं शिल्पियों को सतत् रोजगार उपलब्ध कराने तथा नये जरूरतमन्दों को हाथकरघा/हस्तशिल्प उद्योग से जोडने सहित सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिये हर जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की आधुनिक परिवेश की बदली हुई मागों के अनुरूप हाथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्र के उत्पादों की गुणवत्ता व पारम्परिक उत्पादों की किस्मों में सुधार लाने की दिशा में काम हो रहा है। कुटीर एवं ग्रामोद्योग उत्पादों को देशी-विदेशी बाजारों में प्रतिस्पर्धा योग्य बनाने के लिए उन्नत प्रशिक्षण, तकनीकी उन्यन, उत्पाद विकास हेतु प्रदेश के बुनकरों एवं शिल्पियों को समुचित सहायता दी जा रही है। हाथकरघा व हस्तशिल्प उत्पादों के विपणन के लिए जिला/प्रदेश के महानगरों एवं प्रदेश के बाहर के महानगरों में मेला/प्रदर्शनी/एक्सपो के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के साथ मार्केट लिंकेज की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश में वर्तमान में 17 हजार 597 करघों पर सुविख्यात हाथकरघा वस्त्र जैसे चन्देरी एवं महेश्वरी-साडियां, ड्रेस मटेरियल, होम फर्निशिंग, बेडशीट एवं शासकीय विभागों में प्रायः उपयोग में आने वाले वस्त्रों का वृहद स्तर पर उत्पादन किया जा रहा है। इन हाथकरघों के जरिये गत वित्तीय वर्ष में लगभग 33 हजार 480 बुनकरों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। हाथकरघा एवं हस्तशिल्प सेक्टर के लिए एकीकृत क्लस्टर विकास कार्यकम - हाथकरघा एवं हस्तशिल्प सेक्टर के लिये एकीकृत क्लस्टर विकास कार्यक्रम में परम्परागत रूप से कार्यरत बुनकरों एवं शिल्पियों को उनकी आय एवं उत्पादकता में वृद्धि के लिए देशी-विदेशी बाजारों की मांग के अनुरूप उत्पाद बनाने के लिये समुन्नत तकनीक का कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जायेगा।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में एकीकृत क्लस्टर विकास कार्यक्रम के लिये एक करोड़ 17 लाख रूपये आवंटित किये गये हैं। राज्य के प्रमुख क्लस्टरों में बुनियादी सुविधाओं के विकास के साथ-साथ उत्पाद विकास, उन्नत किस्मों/डिजाइन्स के विकास के लिए प्रशिक्षण वर्कशॉप एवं सेमिनार भी आयोजित किये जाएंगे। कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम - कुटीर एवं ग्रामोद्योगों के जरिये स्व-रोजगार/ रोजगार के नये अवसरों के सृजन के लिए हितग्राहियों को विभिन्न ट्रेडस में कौशल विकास प्रशिक्षण सहित उन्नत उपकरण भी दिये जाते हैं। विगत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 750 के सालाना लक्ष्य के विरुद्ध 262 हितग्राहियों को कौशल विकास प्रशिक्षण एवं 311 हितग्राहियों को करघा एवं उन्नत उपकरण दिये गये। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस कार्यक्रम के लिये एक करोड़ 80 लाख रूपये बजट आरक्षित किया गया है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833